राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 20.00 संख्या 215
शह और मात
सुपर कमांडो ध्रुव
अनुपम
Vinod

प्रस्तावना
ठकक
घर्र्र्र्र्र्र
खटच

इस दुनिया में हजारों- लाखों लोग एक-दूसरे के साथ चालें चलते रहते हैं। लेकिन जो दुश्मन की चाल को पहले से भांप लेता है, वही दुश्मन को दे सकता है...

शह और मात

कथा एवं चित्र: अनुपम सिन्हा। इंकिंग: विनोद, नरेश, विट्ठल। सुलेख एवं रंग संयोजन: सुनील पाण्डेय। सम्पादक: मनीष गुप्ता।

जहां पर कीमती माल होता है, वहां पर उसकी सुरक्षा के इन्तजामात भी होते हैं-
बजा दिया अलार्म ?
तड़ाक
अब तीस सेकंड के अन्दर ये बिल्डिंग पुलिस वालों से घिर जाएगी !
लेकिन तीस सेकंडों में हम भी गायब हो चुके होंगे, और तुम्हारा माल भी !
सुरक्षा के इंतजाम पुख्ता थे-
तीस सेकंड बीतने के पहले ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंच चुकी थी-
वे लिफ्ट में घुसे हैं !
और लिफ्ट ऊपर जा रही है !

हमारी टीम छत पर भी पहुंच चुकी है! हैलो, हैलो, टीम बी! छत पर क्या पोजीशन है?

यहां पर तो एक हैलीकॉप्टर खड़ा है, सर! निश्चित रूप से ये उन लुटेरों का ही है!

ओऽऽऽ इसीलिए वे इतने कॉन्फीडेंट थे। वे जरूर हैलीकॉप्टर द्वारा भागने वाले थे! लेकिन हम यहां पर उनकी उम्मीद से पहले पहुंच गए!
इंस्पेक्टर साहब! देखिए! लुटेरों ने लिफ्ट को रोक दिया है! लिफ्ट ऊपर नहीं जा रही है!
उनको हमारे आने का आभास हो चुका है!
लेकिन अब वे फंस चुके हैं! न बाहर आ सकते हैं और न ही छत पर जा सकते हैं!
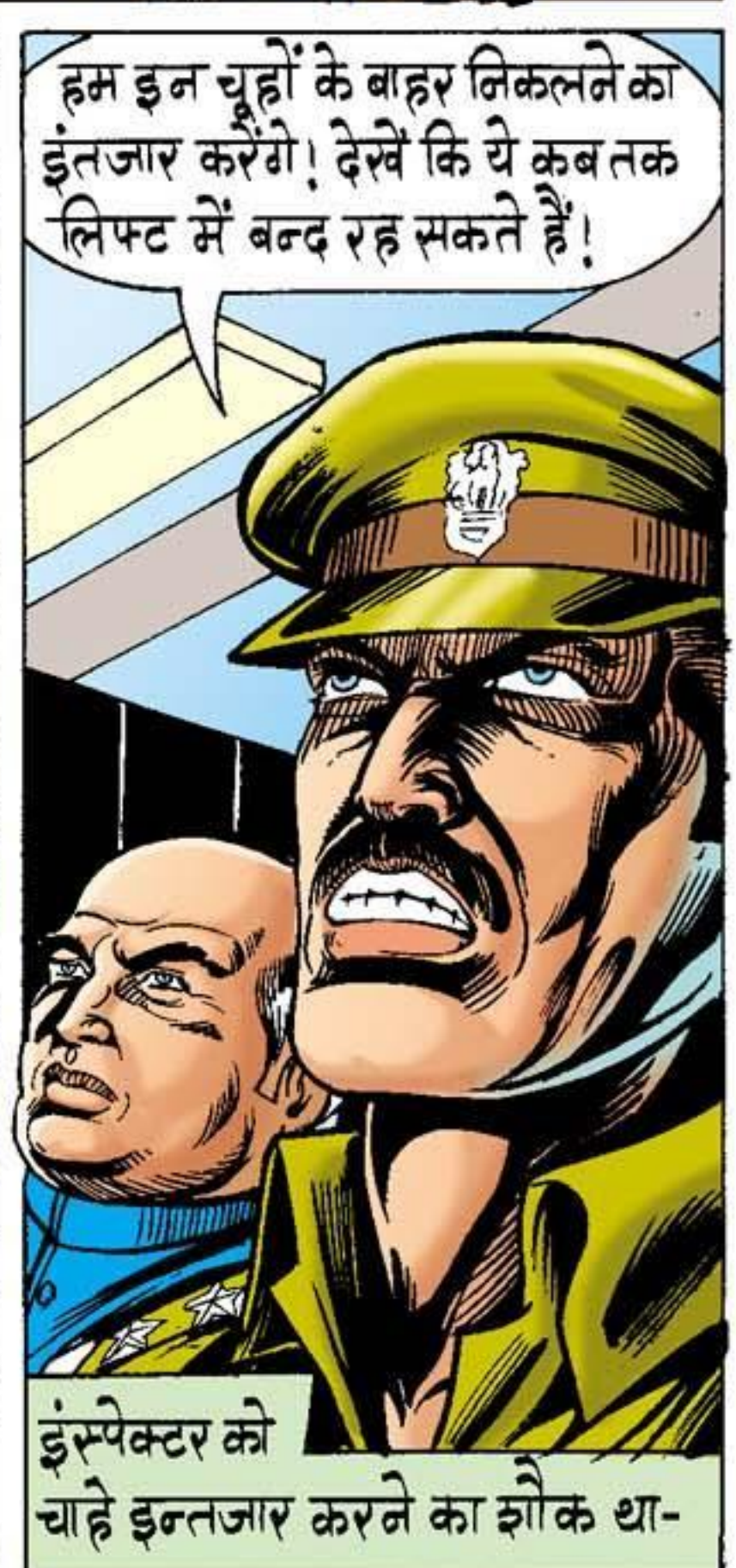
हम इन चूहों के बाहर निकलने का इंतजार करेंगे! देखें कि ये कब तक लिफ्ट में बन्द रह सकते हैं!
इंस्पेक्टर को चाहे इन्तजार करने का शौक था-

लेकिन लुटेरों को ऐसा कोई शौक नहीं था-

क्योंकि लिफ्ट के अन्दर-

जल्दी काट न लिफ्ट का फर्श।

हल्ला क्यों मचा रहा है ? ले, कट गया!

अब रस्सियां निकाल ले!

कुछ ही पलों बाद लुटेरे लिफ्ट के कटे फर्श से नीचे उतर रहे थे-

प्लान कामयाब रहा!

पुलिस वाले हैलीकॉप्टर और लिफ्ट पर ही टकटकी लगाए देखते रह जाएंगे!

और हम माल लेकर निकल जाएंगे! हुर्रेर्रे! हा हा हा!

कुछ ही देर बाद लुटेरे कार में सवार थे-

लाइटें चमकीं-
और सामने खड़ी आकृति रोशनी में नहा गई-
सुपर कमांडो ध्रुव! ये... ये यहां पर कैसे आ गया?
इसको कैसे पता चला कि हम हैली-कॉप्टर से नहीं, कार से भागने वाले हैं?
सुई से!
कौन सी सुई?
सुई से!
तुम्हारे हैलीकॉप्टर के फ्यूल टैंक की सुई! छत के रास्ते जब मैं यहां दाखिल हुआ, तो मैंने हैलीकॉप्टर की छान-बीन की थी।
उसमें सिर्फ इतना ही ईंधन था, जो हैलीकॉप्टर को पांच किलोमीटर तक ले जा सके! जाहिर था कि तुम लोग हैलीकॉप्टर से भागने वाले नहीं थे!
हैलीकॉप्टर आंखों में धूल झोंकने के लिए था! भागने का जरिया सिर्फ कार ही बचती थी! और कार खड़ी करने की सबसे सुरक्षित जगह पार्किंग ही होती है!
मुझे यकीन था कि तुमलोग यहीं आओगे, और तुमलोग आ गए!
कुचल डालो इसे!

वो तो... वो तो हिल भी नहीं रहा है!
कुछ गड़बड़ लगती है!
इसको हम हिलाएंगे! कम से कम दस फुट दूर जाकर गिरेगा!

कार के पास आते ही ध्रुव का दाहिना हाथ सीधा हुआ-
ईस्स्स्स्स्स्स
टायर पंचर हुआ-

और कार एक तरफ लहरा गई-
कड़ड़.ड़.ड़.ड़.ड़.ड़.ड़.ड़.ड़
मैं कह रहा था कि गड़बड़ है! रुक जाओ!
तूने 'रुक जाओ' कब कहा था?

बाहर के कोलाहल में एक्सीडेंट की तेज आवाज डूबकर रह गई-
लुटेरे अभी भी लिफ्ट के अन्दर ही हैं! और पुलिस कॉरीडोर में उनका इंतजार कर रही है! हम भी इंतजार करते हैं और देखते हैं कि ये 'थ्रो-डाउन' कब खत्म होता है! भारती न्यूज के लिए राजनगर से मैं मीना कपूर!
कट!

ये ध्रुव अभी तक क्यों नहीं आया?

ध्रुव को जहां पर पहुंचना था, वह वहां पर पहुंच चुका था-
इनके साथ-साथ बन्दूकें भी बाहर आ गिरी हैं! यानी इनको पकड़ना अब थोड़ा सा मुश्किल हो गया है! लेकिन यहां पर मेरी मदद के लिए कई चीजें मौजूद हैं!
धांय
ठनन
जैसे कार का टूटा दरवाजा! जो फिलहाल मेरी ढाल है!
एक गया, तीन बचे!
अब दो बचे हैं!
ठकक
इस अंधाधुंध गोलियों की बौछार में इन तक जल्दी पहुंचने का सिर्फ यही एक रास्ता है!
अपने 'रोलर स्केट्स' द्वारा कारों के नीचे से फिसलते हुए!
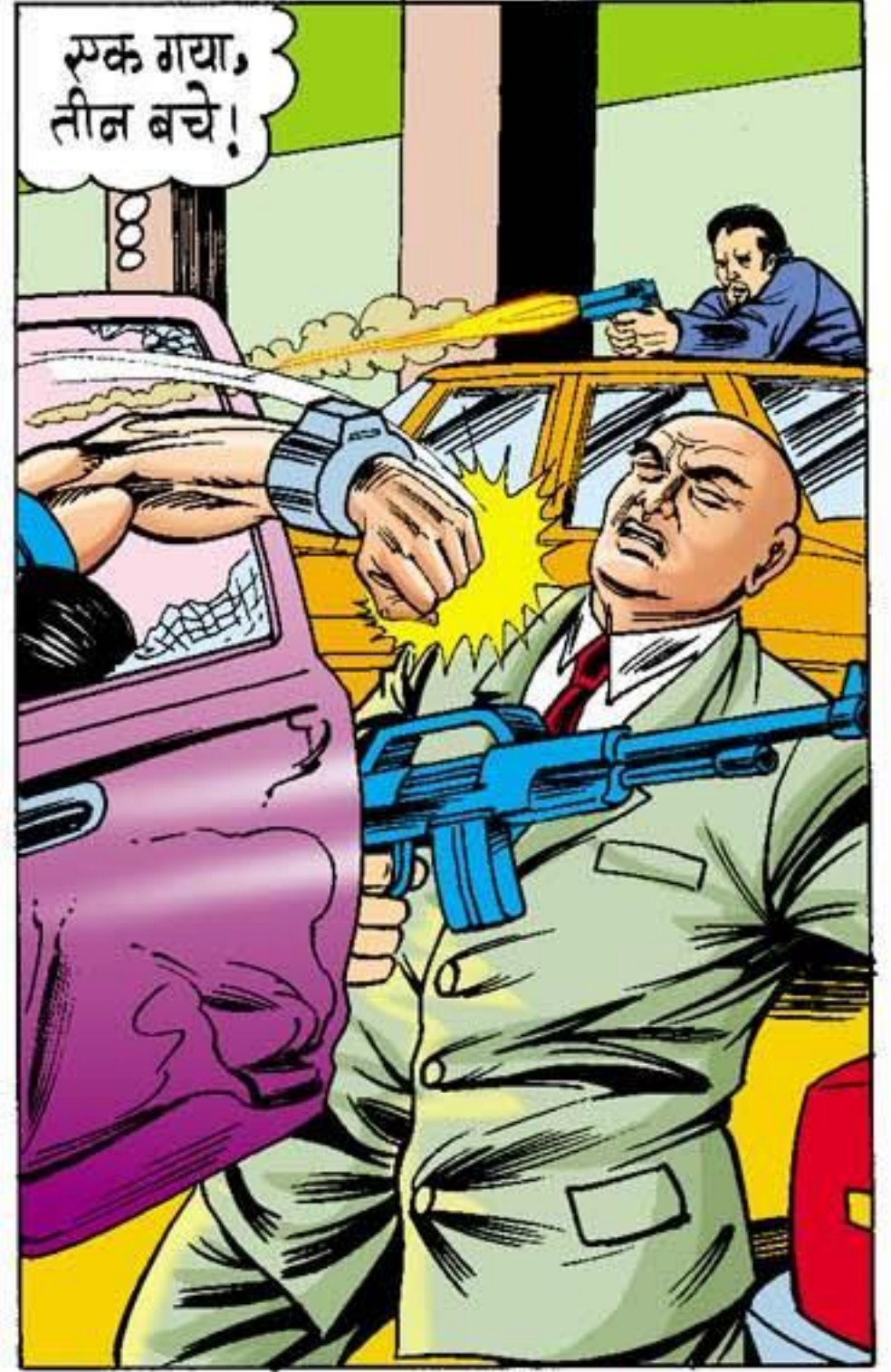
धड़ाक
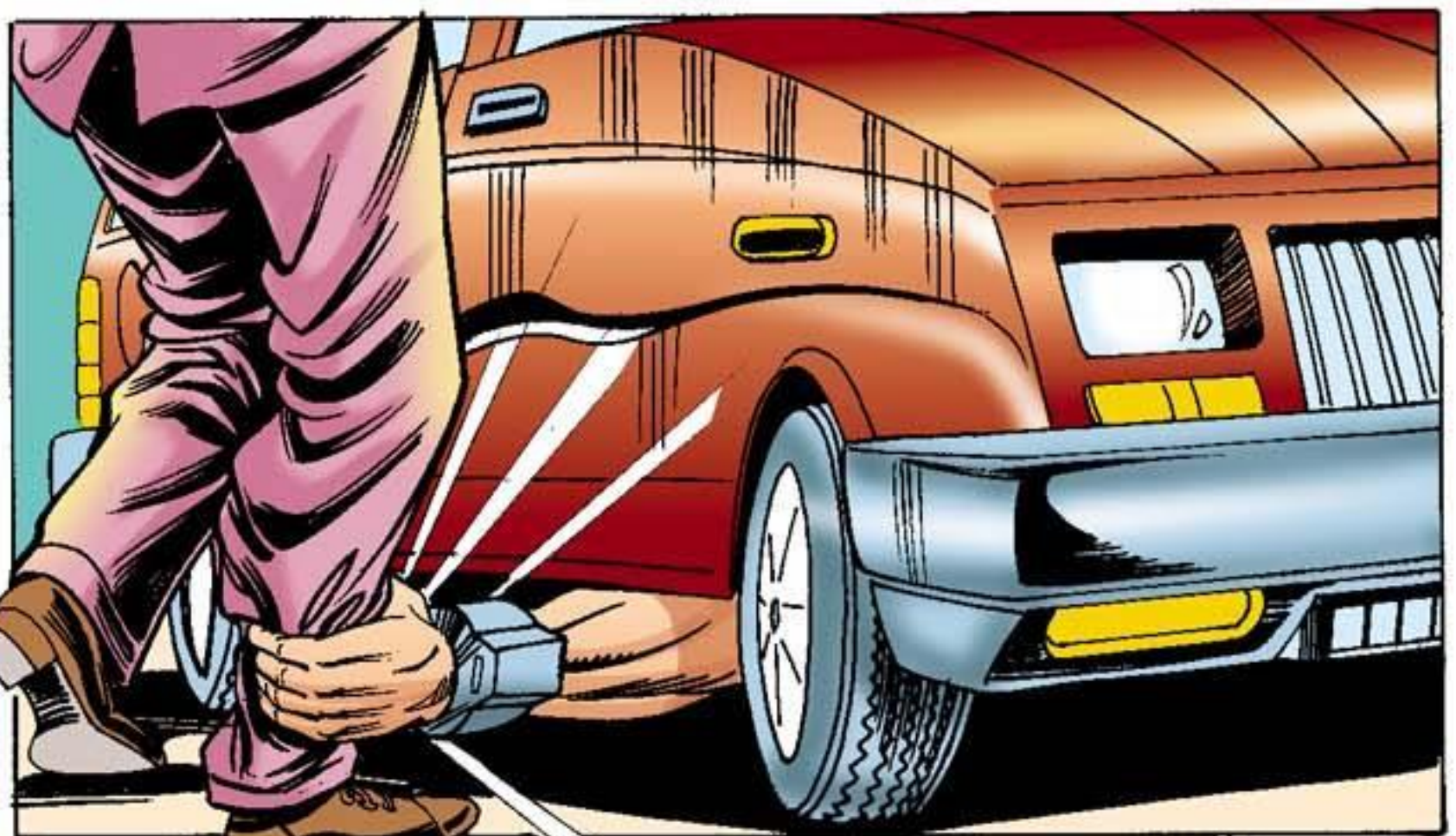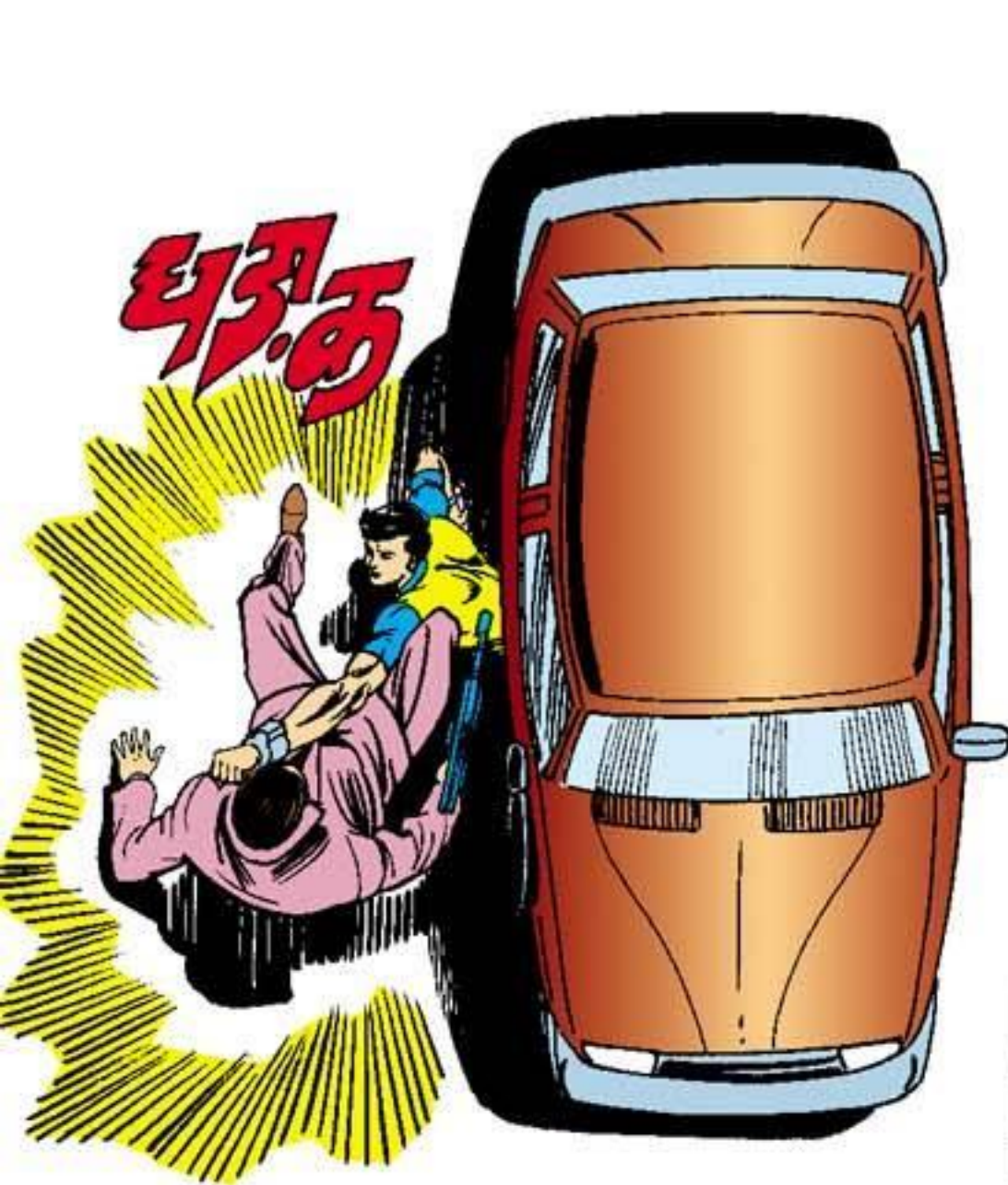
कृष्णा, भीखू, पटाया! सब कहां मर गए?
लगता है सब ध्रुव के शिकार हो गए हैं! कम्बख्त बेहोश होने के ठीक पहले ही नजर आता है!

लेकिन अब वह मेरी नजर से नहीं बचेगा! यहां से मैं चारों तरफ देख सकता हूं! नजर आते ही उसका भेजा उड़ा दूंगा!
बॉस चारों तरफ तो देख रहा था-

लेकिन यह भूल गया था कि मुसीबत हमेशा सर पर टूटती है-

चौथा गया!
धाड़
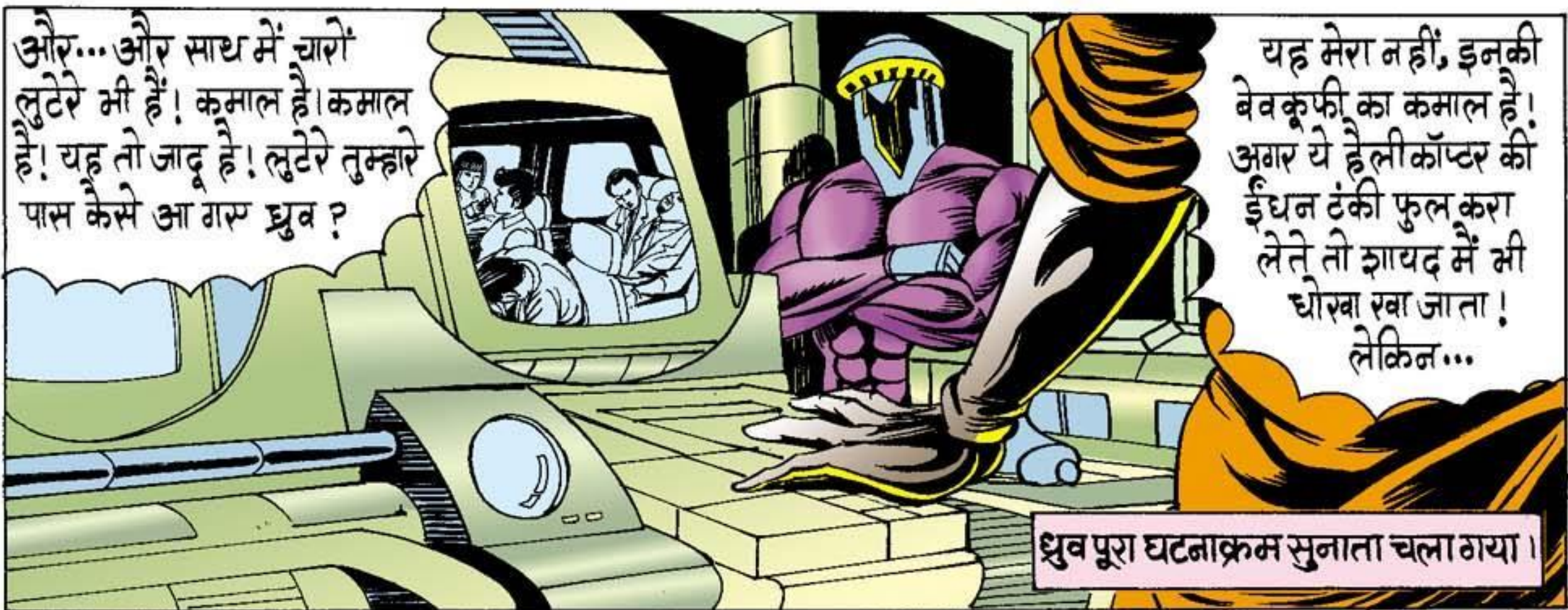
इस दुस्साहसपूर्ण घटना का सीधा प्रसारण जारी था-
आधे घंटे से ऊपर समय बीत चुका है! लेकिन स्थिति वैसी की वैसी बनी हुई है! अब पुलिस का धैर्य समाप्त...

ची ची ची ई ई ई ई ई
अरे! ये आवाज कैसी? ये तो कार के ब्रेक्स की आवाज है!...
कार में सुपर कमांडो ध्रुव है!
देखा मम्मी? भइया आ गया!
भइया आ गया!

और... और साथ में चारों लुटेरे भी हैं! कमाल है। कमाल है! यह तो जादू है! लुटेरे तुम्हारे पास कैसे आ गए ध्रुव?
यह मेरा नहीं, इनकी बेवकूफी का कमाल है! अगर ये हेलीकॉप्टर की ईंधन टंकी फुल करा लेते तो शायद मैं भी धोखा खा जाता! लेकिन...
ध्रुव पूरा घटनाक्रम सुनाता चला गया।

...और फिर मैंने इनको पकड़ लिया!
मेरे पास शब्द नहीं हैं! अब... अब मैं आगे क्या बोलूं? सिर्फ इतना ही कह सकती हूं कि ध्रुव इज सुपर जीनियस! व्हाट ए ब्रेन!

यस! व्हाट ए ब्रेन! तलाश करो, चतुर्भुज! हमारे कंप्यूटर में इसके बारे में जानकारी है या नहीं!

घातक हथियारों और अतिमानवीय शक्ति से युक्त खलनायक भी इससे शिकस्त खा चुके हैं! ग्रैंडमास्टर रोबो, चुंबा, ध्वनिराज, बौना वामन, डॉक्टर वायरस, नास्त्रेदमस जैसे खतरनाक अपराधी इसके दिमाग का शिकार हो चुके हैं!

RUVA FAN CLUB

सुपर पॉवर इसके मित्रों के पास है, जो पृथ्वी के अलग-अलग नगरों में रहते हैं! उनकी शक्ति की मदद से यह ऐसा कर पाया था!

यानी ध्रुव परग्रही शक्ति से खुद जीत नहीं सकता! यह बात तो हमारे हक में जाती है! और हम उम्मीद करते हैं कि इसके सुपर पॉवर युक्त मित्र बीच में अपनी टांग नहीं अड़ाएंगे!

पूरी योजना बनानी होगी! मुझे सोचने दो! सोचने दो मुझे!

ध्रुव के दिमाग की बोली लग चुकी थी-
कम माई सन, कम! तुमने तो रत्नों के लुटेरों की चाल को पहले से ही भांपकर कमाल कर दिया! वाह!
ओ, कम ऑन पापा! आपने मुझे पुलिस हॉस्पीटल के मुर्दा-घर में तारीफ करने के लिए बुलवाया है क्या?
MO
नहीं! कुछ पूछने के लिए बुलवाया है! हमको कल एक अज्ञात लाश मिली थी! आज उसकी शिनाख्त हो पाई है!
यह लाश मशहूर अर्थशास्त्री अमृत राना की है! जिनको मुंबई से राजनगर एक सेमिनार के लिए बुलाया गया था!
लेकिन सेमिनार एक बहाना था! उनको मारने के लिए!
लेकिन क्यों? उनको मारने से किसी का क्या फायदा?
यही तो हम जानना चाहते हैं!
ये देखो!
ओ माई गॉड! इनका तो... इनका तो दिमाग निकाल लिया गया है! खोपड़ी काटकर! ओफ!
हां! तुम्हारी जानकारी में ऐसा कौन सा अपराधी हो सकता है, जो यह वीभत्स काम कर सके?
पहले की बात होती तो मैं ग्रैंडमास्टर रोबो पर शक करता! लेकिन उसने तो 'सेमी-रिटायरमेंट' ले लिया है! अब वह अपराध से दूर रहता है! फिर...

सर, सर! जल्दी इधर आइए! बाहर देखिए!
क्या हुआ रामफल? तुम इतने बौखलाए हुए क्यों हो? दंगे हो गए हैं क्या?
बताने की नहीं, देखने की बात है सर! जल्दी आइए! वरना नजारा खत्म हो जाएगा!
खिड़की से बाहर नजर डालते ही ध्रुव और कमिश्नर राजन की आंखें फटी की फटी रह गईं-
नजारा ही ऐसा था-
उड़नतश्तरी! ये तो उड़नतश्तरी है! इसके पीछे हैलीकॉप्टर भेजो रामफल! तुरन्त हैलीकॉप्टर को बुलाओ!
उड़नतश्तरी! पहले तो राजनगर के आकाश में यह कभी नजर नहीं आई? क्या प्रोफेसर अमृत राना की वीभत्स हत्या और इसमें कुछ संबंध है?

कुछ ही मिनटों के अन्दर पुलिस हैलीकॉप्टर हवा में था-
लेकिन-
POLICE
हैलो, हैडक्वार्टर! हम पांच मिनट से यह इलाका छान रहे हैं! लेकिन उड़नतश्तरी जैसी चीज कहीं नजर नहीं आ रही है! हमारे राडार तक पर उसका कोई निशान नहीं है!

ठीक है! अब तुम नीचे आजाओ!
इतनी जल्दी तो सचमुच की उड़नतश्तरी ही गायब हो सकती है! यह घटना जरूर किसी खतरे का संकेत है!

अगले दिन के अखबार सनसनीखेज सुर्खियों में रंगे हुए थे-
ध्रुव ने रत्न-लुटेरों को पकड़ा
दिल्ली पहुंचे
उड़नतश्तरी? सच्चाई या अफवाह?
वीरप्पन की नई शर्तों का कैसेट भेजा।
मुम्बई के अर्थशास्त्री प्रो. राना का शव राजनगर में मिला।
दिमाग निकालकर ले गए हत्यारे।
सेमिनार के बहाने राजनगर बुलाया था।

ओऽऽऽ! प्रोफेसर राना को सेमिनार के बहाने बुलाकर उनकी हत्या कर दी गई!
HOTEL HILTON

मुझे भी तो यहां पर सेमिनार के लिए ही बुलाया गया है। कहीं मुझे भी तो...
...नहीं! नहीं!
खेल समाचार

मैं शायद 'ओवर रिएक्ट' कर रही हूं! एक मनोवैज्ञानिक होने के नाते मुझे यह पता होना चाहिए कि कोई भी इन्सान, एक ही जगह पर एक ही जैसा अपराध लगातार नहीं करता! कुछ दिनों का ब्रेक जरूर लेता है!

ट्रिंssssग! ट्रिंssssग!

मैडम नटालिया! आपको लेने के लिए एक शोफर कार लेकर आया है!

उसको इन्तजार करने को कहो! मैं तैयार होकर एक घंटे में नीचे आ रही हूं!

थोड़ी ही देर बाद- मनोवैज्ञानिक नटालिया को लेकर कार तेजी से राजनगर की सरहद की तरफ बढ़ रही थी-

शाम का धुंधलका घिरता जा रहा था-

ये तुम मुझको लेकर कहां जा रहे हो? शहर तो पीछे छूट गया है!
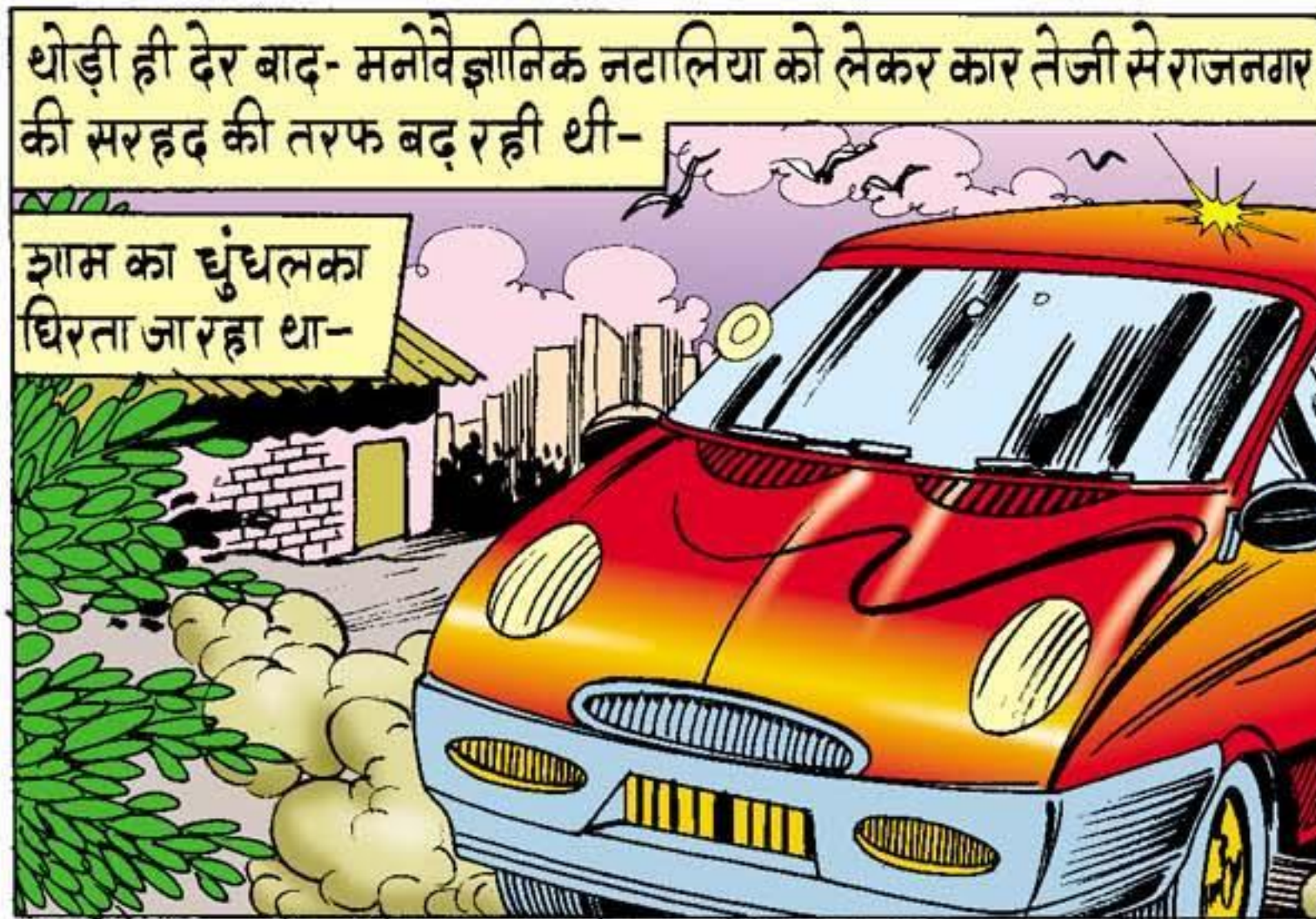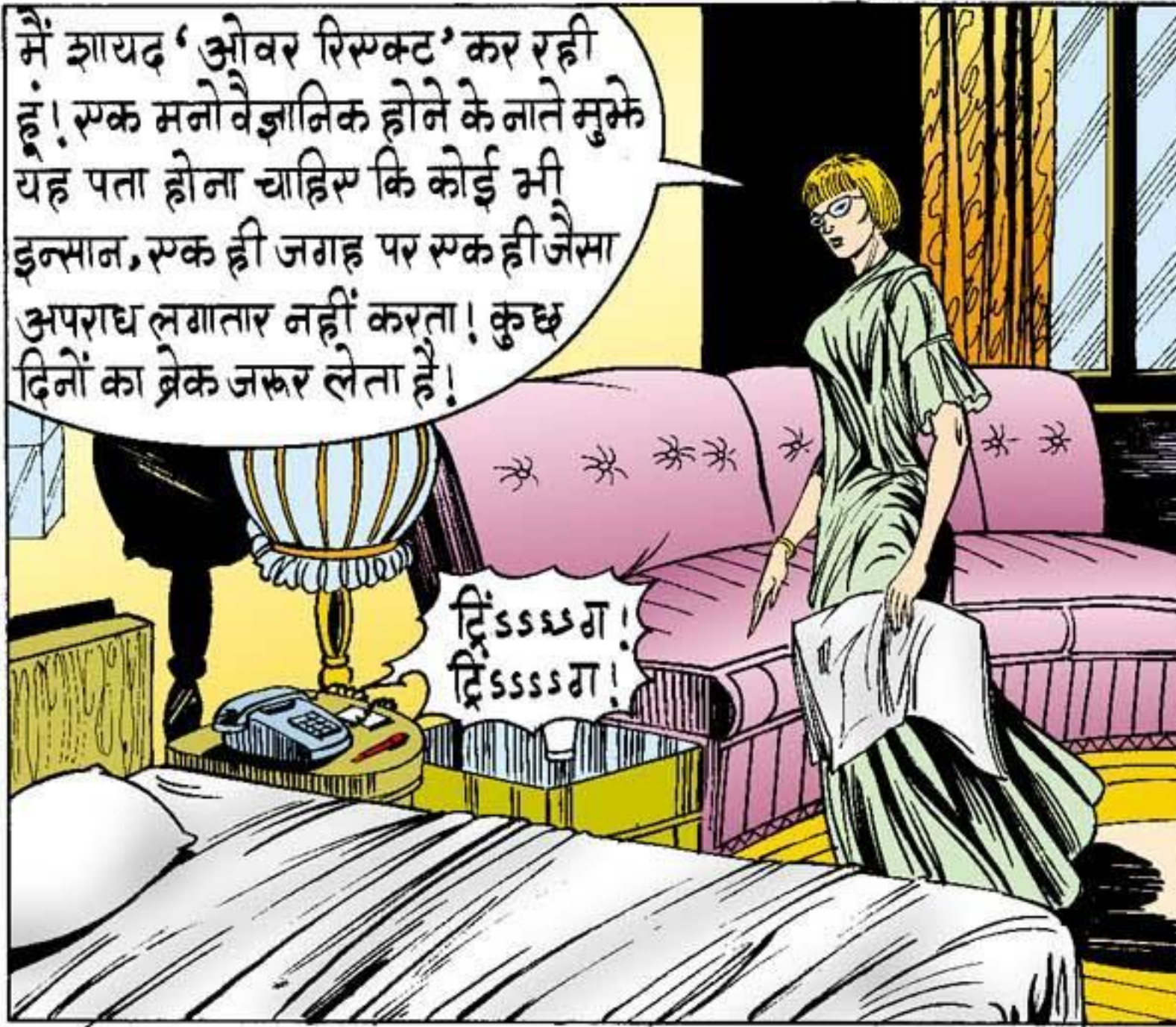
और नटालिया का दिमाग घूम गया–
रोबॉट! ड्राइवर इंसान नहीं रोबॉट है!
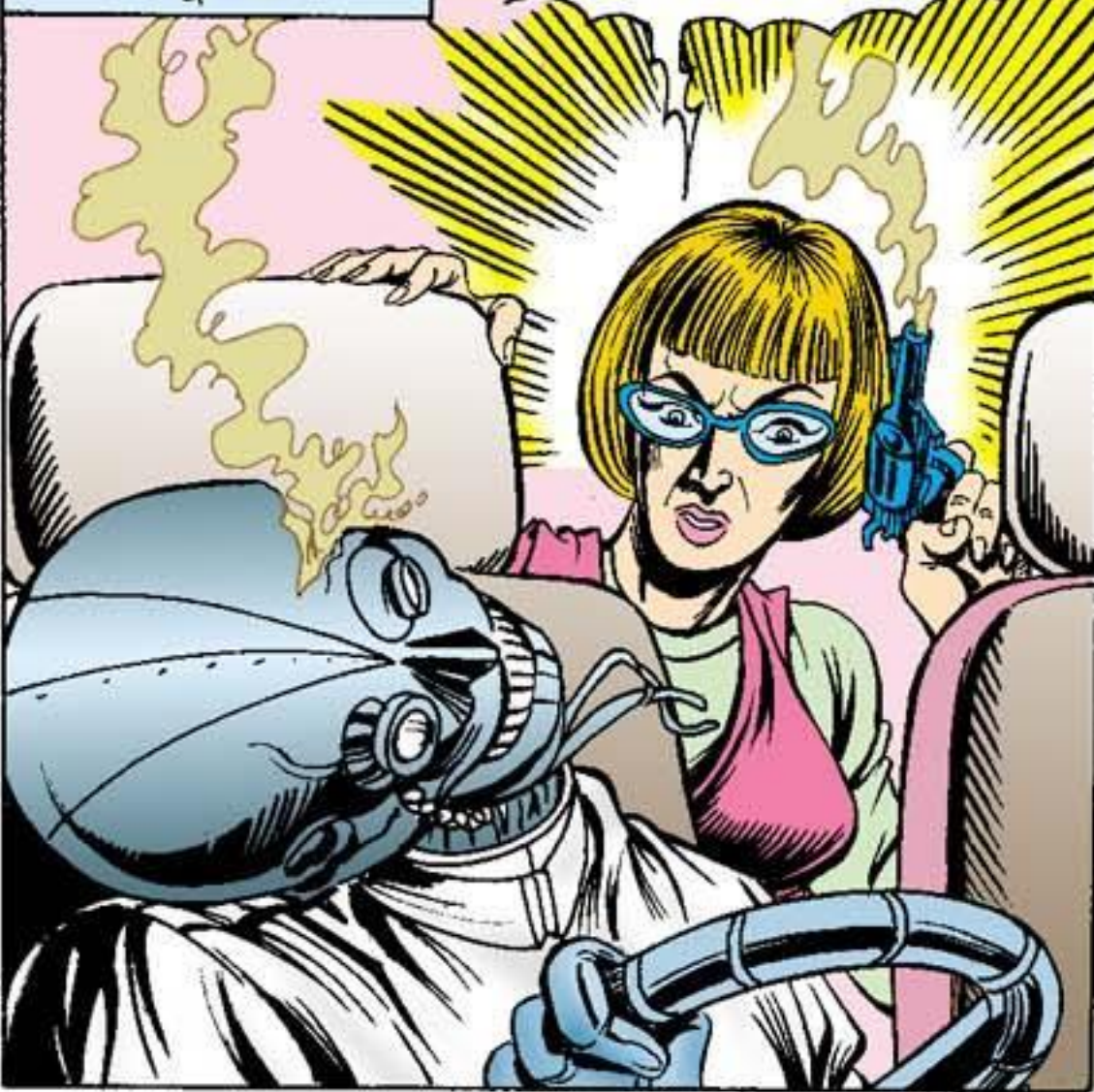
नटालिया अगर ऐन वक्त पर कार का दरवाजा खोलकर कूद न जाती–

तो उसका हाल भी शायद कार और उस रोबॉट की तरह ही होता–

च्-च्-च! अच्छा रोबॉट था! खैर, अच्छा हुआ कि तुम कूद गई!
वरना तुम जलकर मर जाती, और तुम्हारा विलक्षण मनोवैज्ञानिक दिमाग हमारे किसी काम का नहीं रहता!
ये जरूर वही है! प्रोफेसर राना का हत्यारा!
ई ई ई मां ssss

कहानी 19 पेज से जारी

मुझे इसका आभास था! अब तू भी वहीं जाएगा, जहां पर तेरा रोबॉट ड्राइवर गया है!
धांय
वैसे तो तुम पृथ्वीवासियों के घटिया हथियार हम पर असर नहीं करते...
... लेकिन क्या पता कि शायद ये कुछ नुकसान ही पहुंचा दें!...
...इसलिए ये हथियार गिरा दे, और अपना दिमाग दान करने को तैयार हो जा!
आऽऽऽह!
भाग मत, भाग मत! पीछा करने से मैं थक जाता हूं!
ओऽऽऽह! ये कैसी किरण है! इसने तो मुझे जड़ कर दिया है! मैं हिल भी नहीं पा रही हूं!
घर्रर्रर्रर्र
ध्रुव..
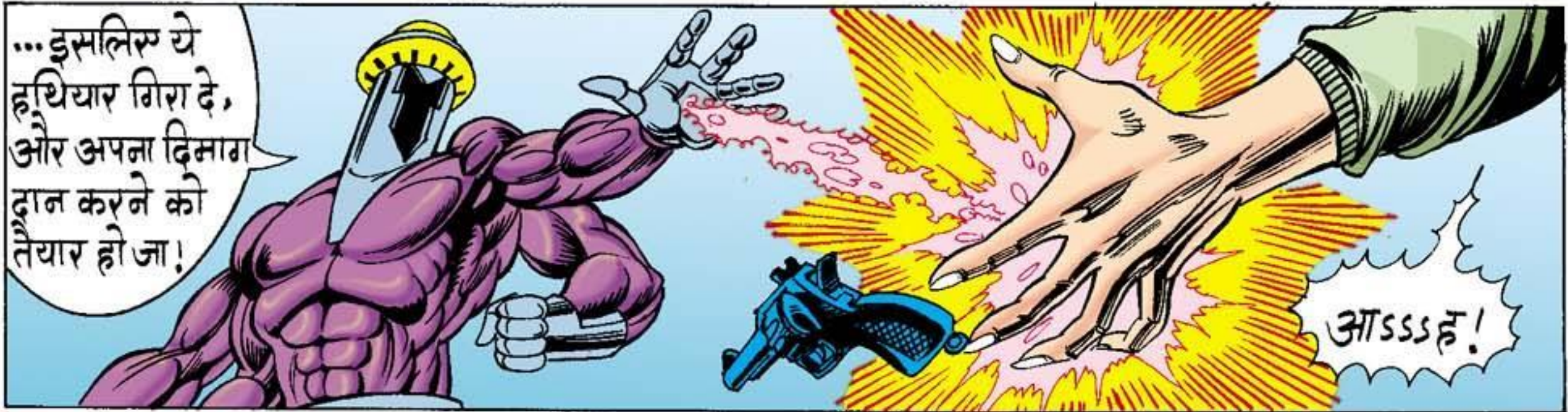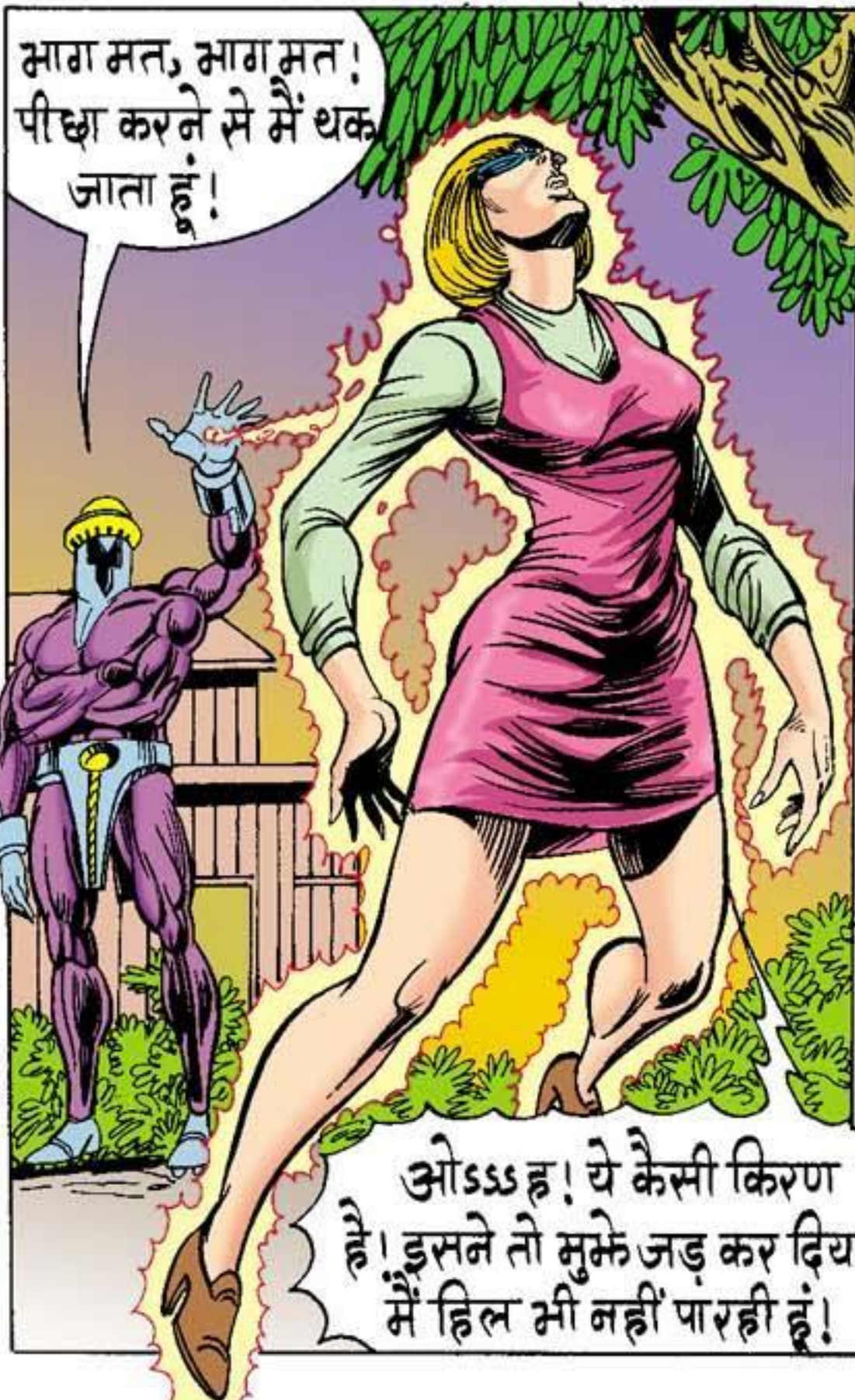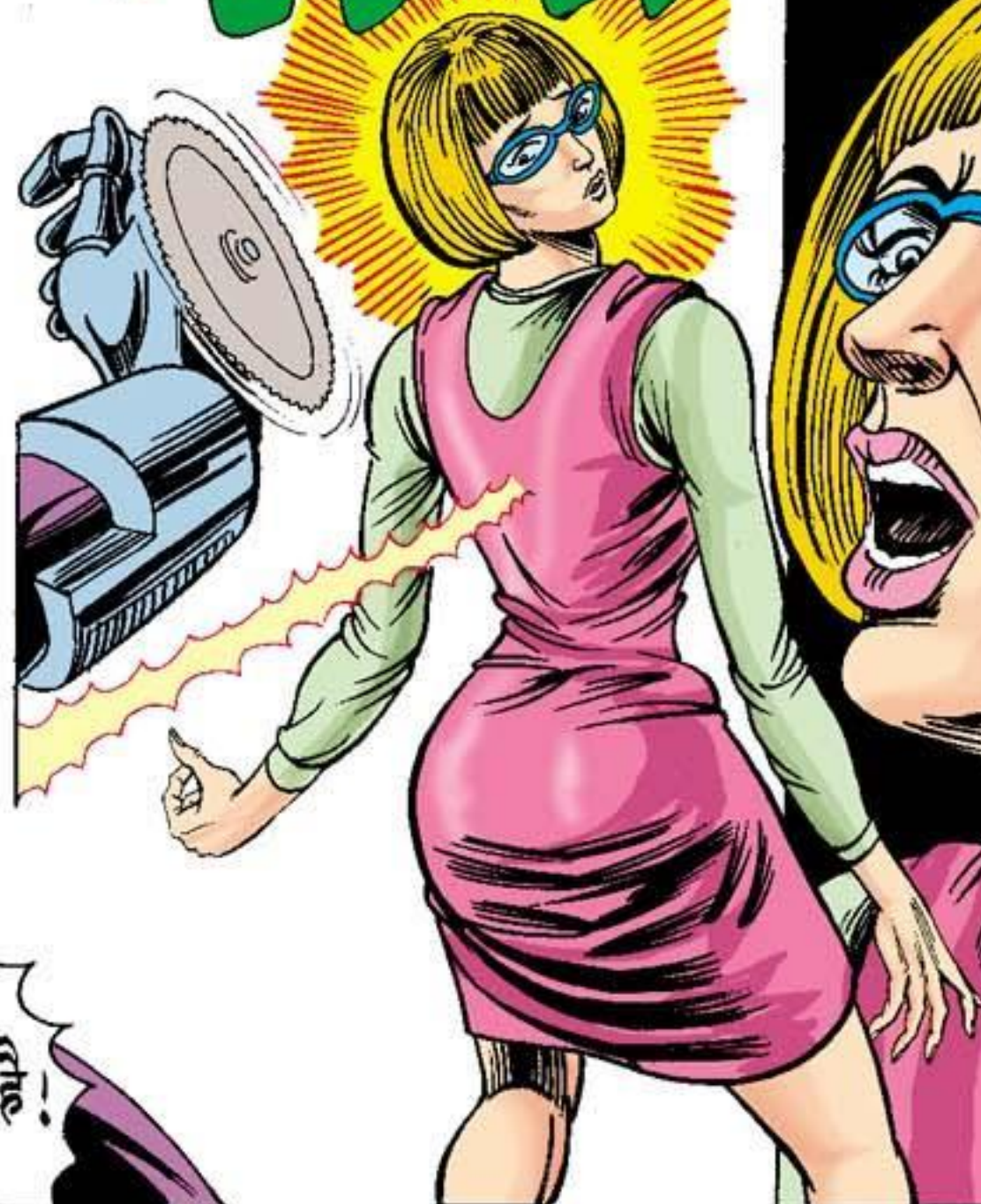
सॉरी, नटालिया! मैं तुम्हारी कार का पीछा तो 'हिल्टन होटल' से ही करता आ रहा था! लेकिन असली कातिल के सामने आने तक मैं छुपा रहना ही चाहता था! वरना मेरे सामने आने पर ये कभी सामने नहीं आता!
थैंक गॉड! मैं तो समझ रही थी कि सिर्फ फोन पर खबर करने से शायद तुम आओ ही नहीं! ओ हो! मेरे शरीर से किरण का सम्पर्क टूटते ही मैं ठीक हो गई! मैं हिल सकती हूं! थैंक्यू, ध्रुव!
धन्यवाद तो मुझे तुमको देना चाहिए कि अखबार में मेरा नाम छपा देखकर तुमने मुझे फोन किया और कातिल तक पहुंचा दिया!

जिस मुंह से तू इसका धन्यवाद अदा कर रहा है, ध्रुव ! अभी उसी मुंह से तू इसे कोसेगा कि इसने तुझे खबर क्यों भेजी ?
हमारी नजर तेरे दिमाग पर भी है, ध्रुव ! लेकिन तुझे हमने बाद के लिए छोड़ रखा है।
वड़ा।।।मममम
क्योंकि तेरा दिमाग हम 'सिस्टम' में सबसे ऊपर लगाना चाहते हैं।
सिस्टम!
ये 'सिस्टम' क्या है ?
फिलहाल मैं सिर्फ इस लड़की का विलक्षण मनोवैज्ञानिक दिमाग चाहता हूं ! लेकिन यह तुझको बेबस करने के बाद ही संभव हो पाएगा।
इसमें तो अद्भुत शक्तियां हैं। इसके हाथ से निकली किरण जहां टकराती है, वहां धमाका हो जाता है।
नटालिया! तुम यहां से भागो! मैं इसको रोककर रखता हूं।

नहीं, ध्रुव! इस मुसीबत में तुमको मैंने फंसाया है! मैं तुमको छोड़कर नहीं जाऊंगी!

वैसे भी मुझे परग्रही मनोविज्ञान का अध्ययन करने का जो सुनहरा मौका मिल रहा है, उसे भला मैं कैसे छोड़ सकती हूं!

नटालिया ठीक कर रही है! यह जरूर उड़नतश्तरी से भागा हुआ परग्रही है, जो मानव-मस्तिष्क के जरिए कोई सिस्टम बनाना चाहता है!

इसको रोकने का कोई तरीका समझ में नहीं आ रहा है! वह केबिन! यह जरूर 'फॉरेस्ट गॉर्ड्स' का केबिन होगा, जो फिलहाल बन्द पड़ा हुआ है!

इसके अन्दर मुझे शायद ऐसी कोई चीज मिल सके जिसका प्रयोग मैं इसे रोकने में कर सकूं!

ध्रुव, केबिन की तरफ लपका तो जरूर-

लेकिन उसी पल एक तेज धार वाली आरी हवा में लपकी-

और ध्रुव, उस गिरते पेड़ के नीचे दबने से सिर्फ अपनी फुर्ती के कारण ही बच पाया-

ओह! इतनी तेज धार की आरी जो इस मोटे पेड़ को एक बार में काट दे, पृथ्वी की तो नहीं हो सकती...

ध्रुव के उठने से पहले ही उसकी गर्दन पर शिकंजा आ कसा-

और-

अक्!

ध्रुव को छोड़ दे कमीने! तुझे मेरा दिमाग लेना है न? ले ले! लेकिन ध्रुव को छोड़ दे!

मरने की इतनी जल्दी मत मचा! तेरा नम्बर इसके बाद आएगा!

तभी सारा वातावरण रोशनियों से जगमगा उठा-

उड़नतश्तरी!

शतबुद्धि! आपको आने की क्या जरूरत पड़ गई?

तुम जरूरत से ज्यादा समय लगा रहे थे!

इसीलिए हमको स्वयं आना पड़ा!

स्थिति जटिल हो गई थी, नायक!

लेकिन अब नियंत्रण में है!
तड़ाऽऽऽऽक
आऽऽऽह! क्या ताकत है!
सुपर कमांडो ध्रुव! रत्न लुटेरों को पकड़ने वाला विलक्षण बुद्धि का स्वामी! ये तुम्हारे हाथ कैसे लग गया, चतुर्भुज?
अपने आपही ओखली में सर दे बैठा!
कौन हो तुम लोग? और ऐसे वहशी काम करके क्या पाना चाहते हो?
दिमाग मानव! जिसे तुम लोग 'मस्तिष्क' या 'ब्रेन' भी कहते हो! हम ब्रह्मांड की एक भ्रमणकारी प्रजाति के प्राणी हैं! और ब्रह्मांड पर विजय प्राप्त करने के लिए एक अजेय विनाशकारी हथियार बनाना चाहते हैं! और यह हथियार हैं ब्रह्मांड के सबसे तेज मस्तिष्कों का एक सम्मिलित तंत्र! सिस्टम
हमने पूरे ब्रह्मांड में घूम-घूमकर महान-महानजीवों के सैकड़ों मस्तिष्कों को एकत्रित किया है!
और अब उसी की तलाश में पृथ्वी पर आए हैं! अब हम तेरा मस्तिष्क लेकर जाएंगे ...
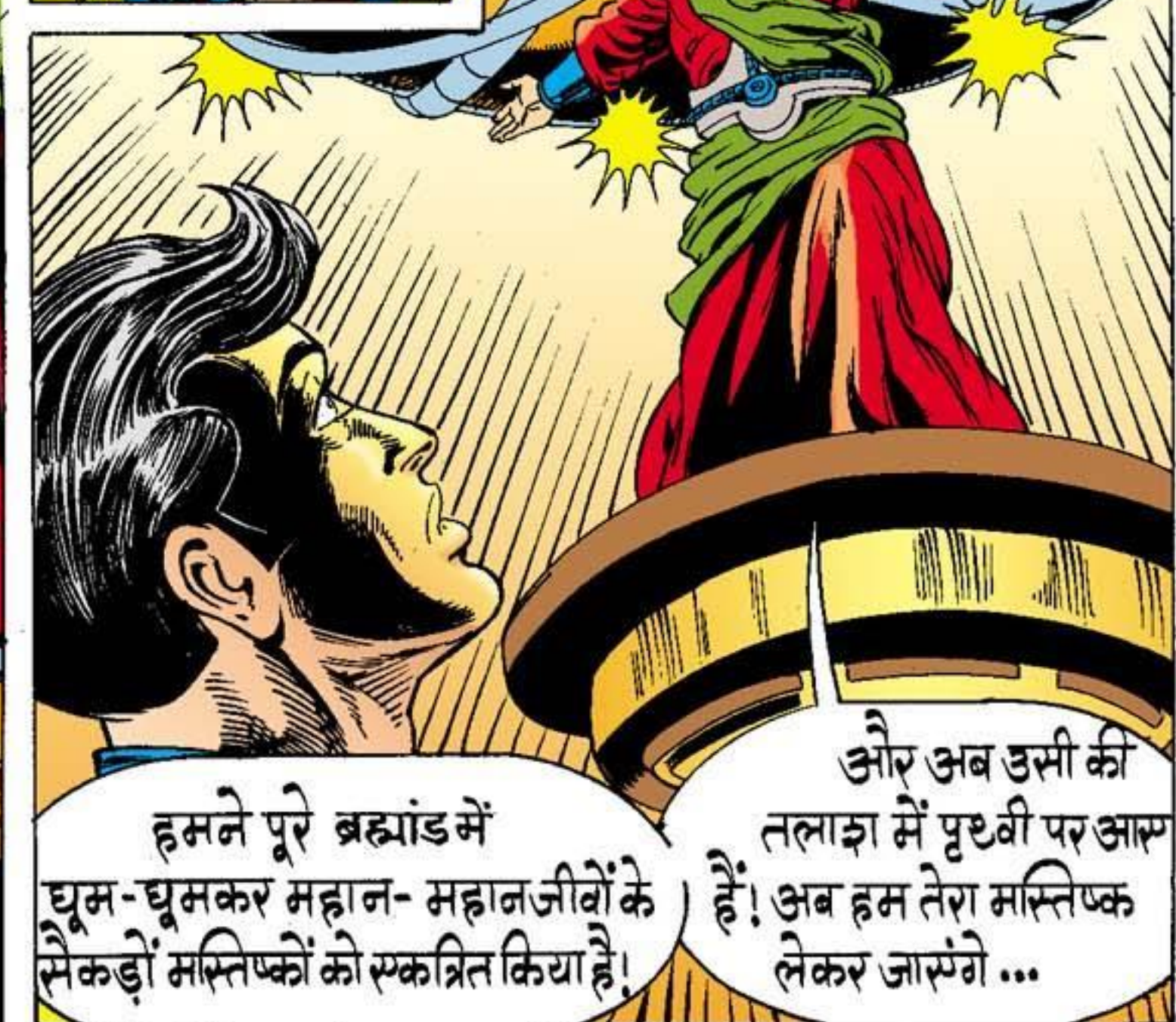
क्योंकि तेरे जैसा मस्तिष्क ब्रह्मांड में कहीं नहीं है। उसको हम 'सिस्टम' का केन्द्र बनाएंगे। मैं लड़की का दिमाग निकालता हूं, चतुर्भुज! तू ध्रुव का दिमाग लेकर आ!
जैसा आप कहें ज्ञातबुद्धि!
नटालिया, भागो!
भागेगी कहां? हम उड़नतश्तरी से इसका पीछा करेंगे!
अब अपना दिमाग शांति से मुझे दे दे ध्रुव!
ओफ़! स्टार ट्रांसमीटर काम नहीं कर रहा है! जरूर इनके सिग्नल बीच में व्यवधान डाल रहे हैं!
अब इस केबिन के अंदर रखा सामान ही मेरी मदद कर सकता है!
लेकिन इसके अन्दर कुछ है भी या नहीं!
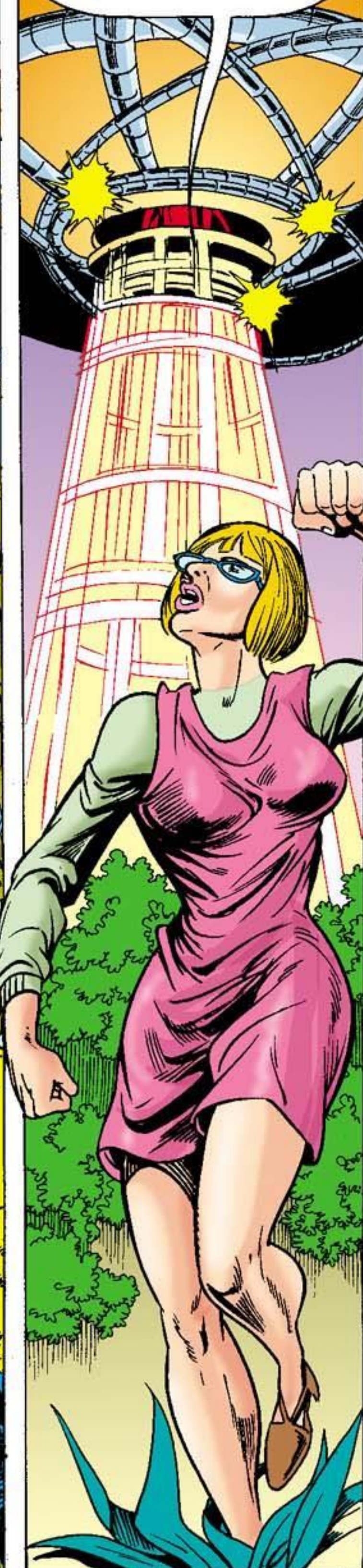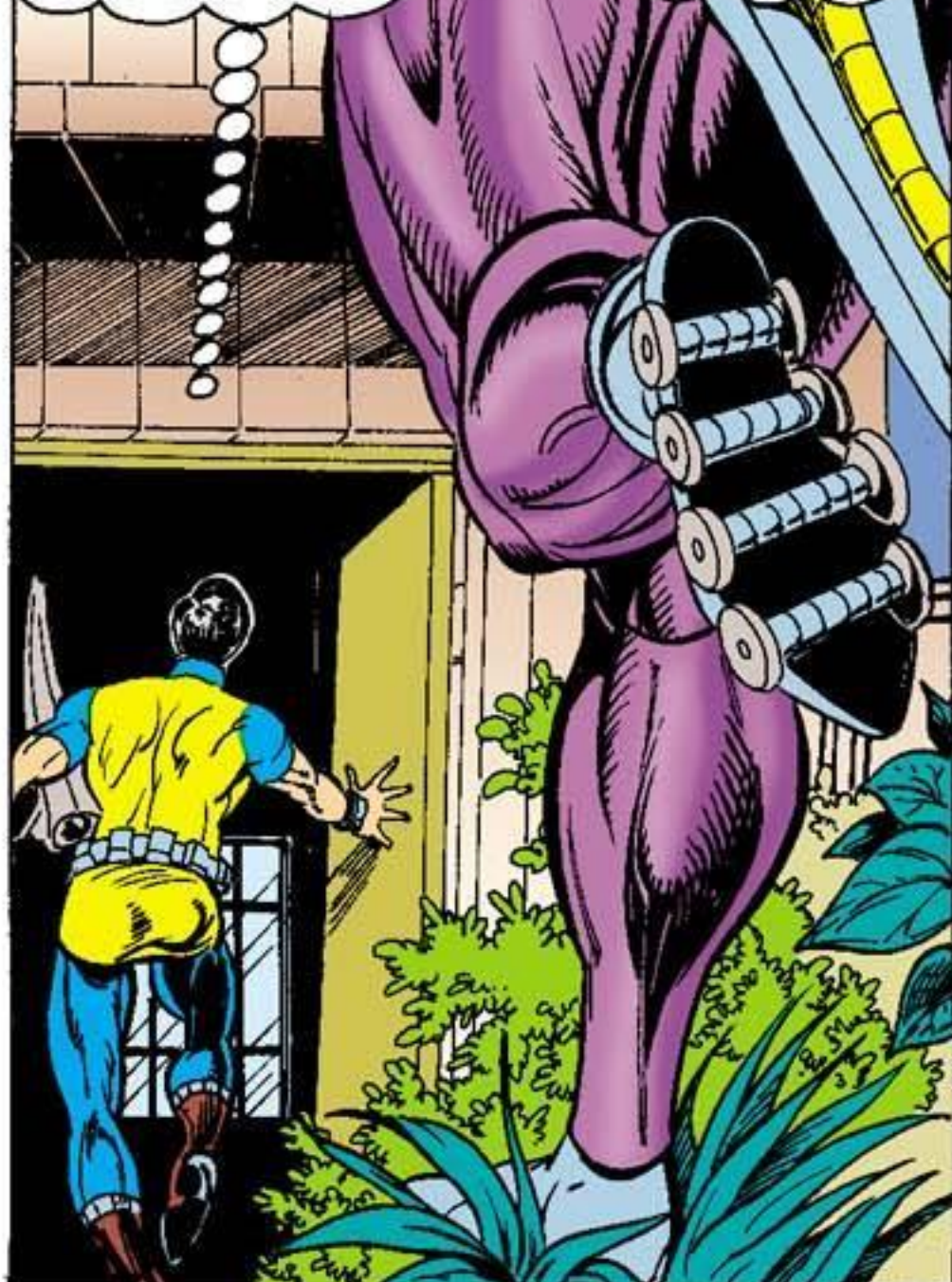
यहां पर तो बैड और कपड़ों के अलावा कुछ भी नहीं है! इनसे क्या भला होगा?... ओह...
... ये चतुर्भुज तो कुछ सोचने का मौका ही नहीं दे रहा है! केबिन तोड़कर अन्दर आ रहा है!
कड़ड़ड़
इससे तब तक जूझना होगा, जब तक कोई रास्ता समझ में नहीं आ जाता!
तड़ाक्क
लेकिन जूझने के लिए मेरे पास कुछ भी नहीं है! ओह! ये जेनरेटर!... ये शायद मेरी मदद कर सकें!
धड़ाम
चतुर्भुज के आगे लपकते ही जेनरेटर ऑन हुआ-

और चतुर्भुज के शरीर में बिजली की लहर दौड़ गई-
आऽऽऽह!
घर्र्र्र्र
वाह! जेनरेटर अच्छा हथियार साबित हो रहा है!
लेकिन-
हम हर तरह की ऊर्जा को सोख सकते हैं, मानव! तू मुझसे जीत नहीं सकता! घुटने टेक दे तो शायद तेरी मौत कुछ कम दर्द-नाक हो जाएगी!
ओह! सारे रास्ते बन्द हो गए हैं! अब क्या करूं? ये जेनरेटर भी धोखा दे गया!... नहीं! ये जेनरेटर फिर से मेरी मदद करेगा! लेकिन दूसरे तरीके से!
!
अपने अंदर भरे पेट्रोल से!
पेट्रोल चतुर्भुज को नहला देने के लिए काफी था-
और फिर ध्रुव की किक ने चतुर्भुज को उन अंगारों पर उछाल दिया, जो उसी के धमाके के कारण सुलग उठे थे-
तड़ाक

पलभर में चतुर्भुज का शरीर आग से घिर गया-
आऽऽऽह! तूने ये क्या किया? आग मेरे नाजुक सर्किटों को नष्ट कर देगी!

चतुर्भुज बाहर भाग रहा है! लेकिन मैं इसे भागने नहीं दूंगा!

अरे! कहां गया? यहां तो कहीं नजर नहीं आ रहा है!
ध्रुव, पलभर के लिए असावधान हुआ-
ओह! इसने आग बुझा ली है!
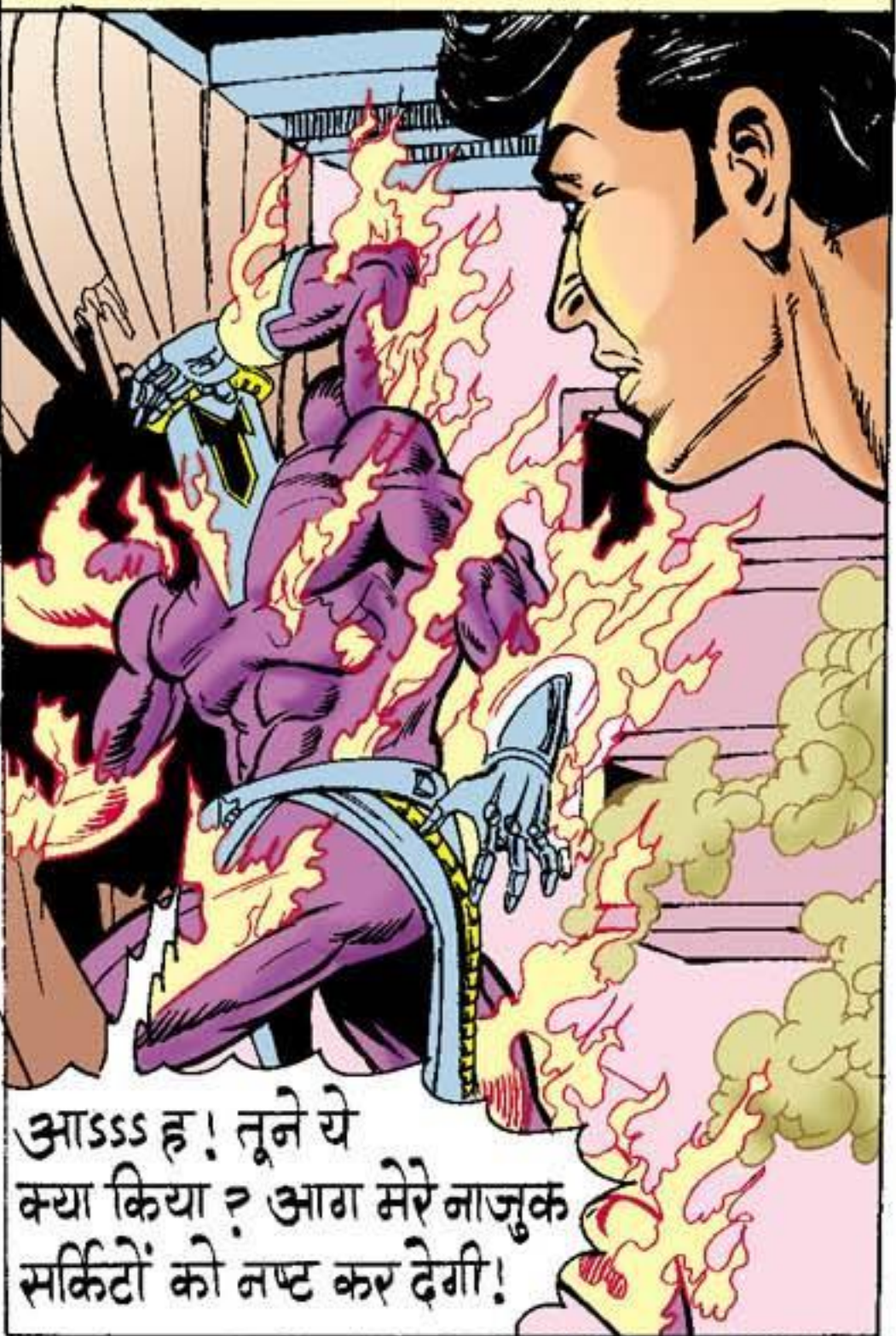
लेकिन अब मुझे इसको हराने का तरीका समझ में आ गया है!

ये ठीक वैसा ही कर रहा है, जैसा मैंने सोचा था! यह मुझे पकड़ने के लिए पेड़ पर चढ़ता आ रहा है! अब मुझे और ऊपर जाना होगा!...

... ये काफी ऊपर आ गया है! अब नीचे जाने का वक्त है!
स्टार ब्लेड, उस डाल के जोड़ को कमजोर करते चले गए-

जिस पर चतुर्भुज खड़ा था-
और नतीजा सामने था-

रोबॉट! चतुर्भुज एक रोबॉट था!
ये आवाज कैसी थी? तुम ठीक तो हो न ध्रुव? हफ!
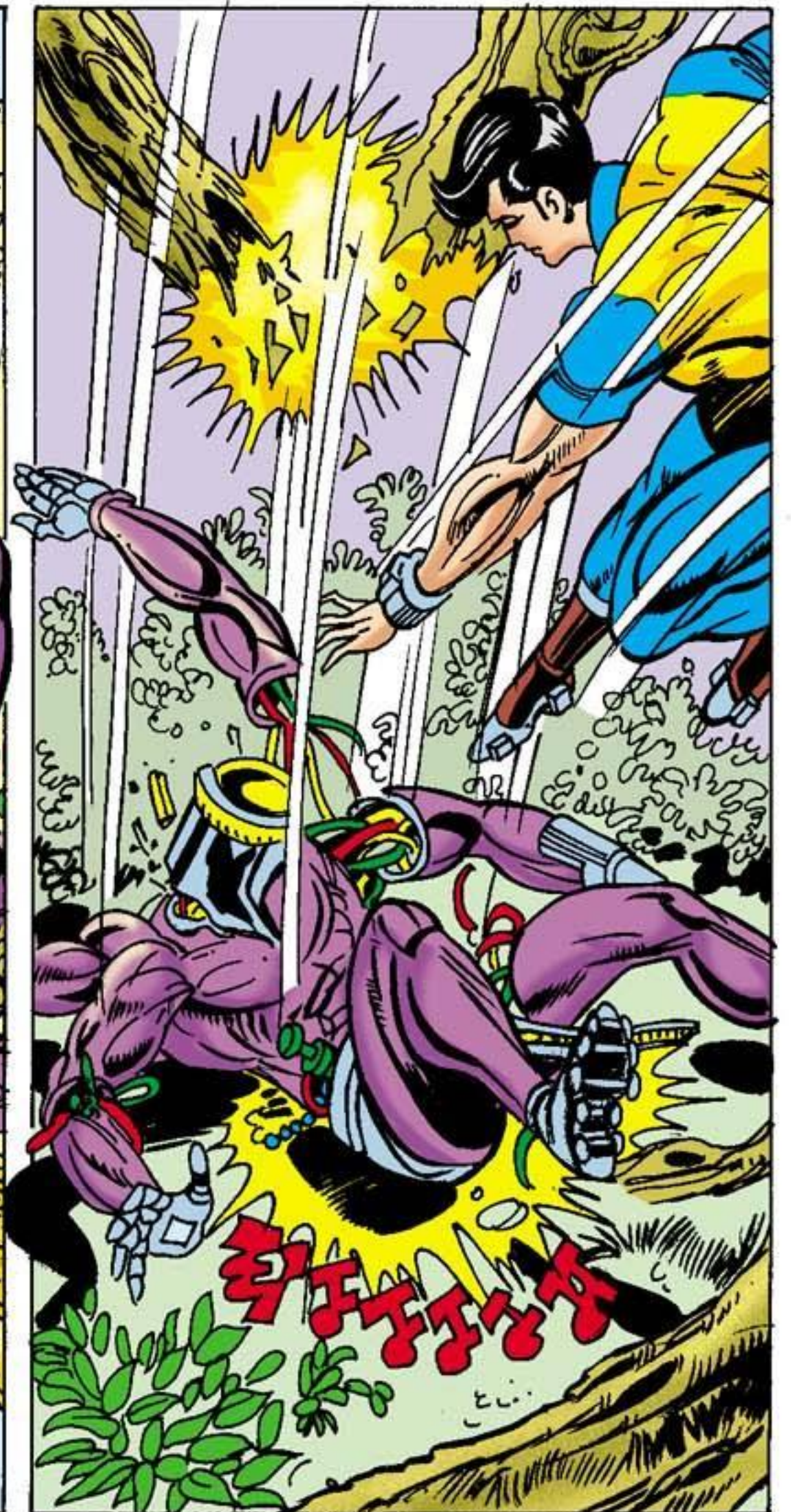
नटालिया! तुम बच गई! शुक्र है भगवान का! लेकिन तुम बची कैसे?
अपने दिमाग को गोली से उड़ाने की धमकी देकर...
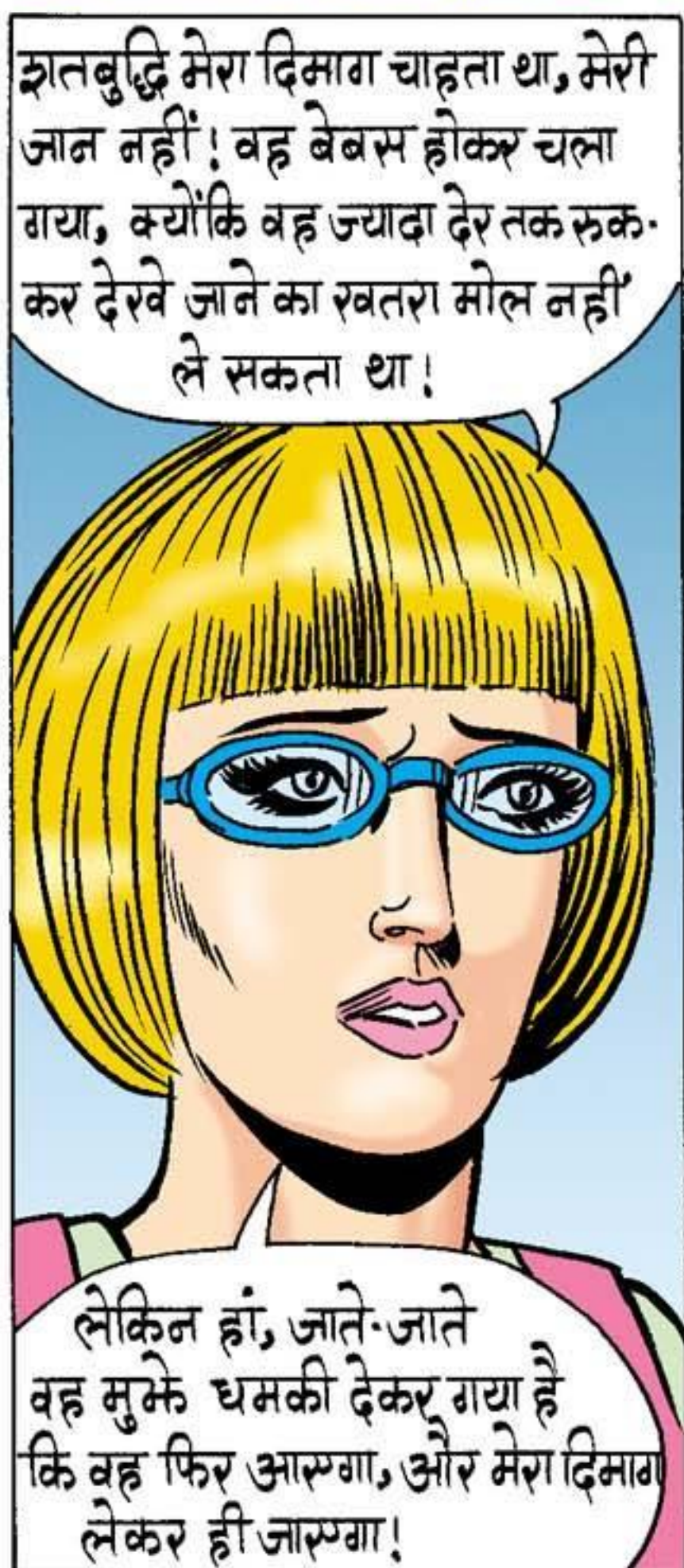
शतबुद्धि मेरा दिमाग चाहता था, मेरी जान नहीं! वह बेबस होकर चला गया, क्योंकि वह ज्यादा देर तक रुककर देखे जाने का खतरा मोल नहीं ले सकता था!
लेकिन हां, जाते-जाते वह मुझे धमकी देकर गया है कि वह फिर आएगा, और मेरा दिमाग लेकर ही जाएगा!

यानी हमको उसे ढूंढ़ने की कोशिश नहीं करनी है! वह हमको ढूंढ़ेगा! गुड!
मैं तुम्हारी सुरक्षा का इंतजाम करता हूं!
शतबुद्धि परग्रही है! उसके सामने हमारे ग्रह की सारी सुरक्षा व्यवस्था बेकार है! मुझे सुरक्षा सिर्फ तुम दे सकते हो ध्रुव! मुझे तुम्हारे अलावा और किसी पर भरोसा नहीं है!

मैं हर वक्त तुम्हारे साथ नहीं रह सकता नटालिया! ये लो! इस घड़ी को पहनलो! इसकी चाबी को किसी भी खतरे के वक्त घुमा देना! इससे मुझे पता चल जाएगा कि तुम कहां हो! और मैं तुरन्त वहां पहुंच जाऊंगा!
ओह, ध्रुव! तुमने मेरी टेंशन दूर कर दी! वर्ना मैं तो अपने-आपको मरा हुआ समझ रही थी!

और फिर-
हम भी ऐसे रोबॉट बनाते हैं, ध्रुव, जो ऊपर से देखने में इन्सान जैसे लगते हों...
N ROBOTIC
...वैसे तो इस रोबॉट में और हमारे बनाए रोबॉटों में कोई खास तकनीकी फर्क नहीं है...
...लेकिन इसमें एक बहुत खास बात जरूर है!
वह क्या, प्रोफेसर बख्शी?
इसमें कुछ पुर्जे ऐसे तत्वों के बने हैं, जो तत्व हमारी पृथ्वी पर पाए ही नहीं जाते!
क्या?
हां, ध्रुव! इसका एक ही अर्थ है! ये रोबॉट पृथ्वी पर नहीं बना है!
ओह! 'स्टार ट्रांसमीटर' पर सिग्नल आ रहे हैं!
पीं पीं पीं

कैप्टेन, करीम हियर! घर से मैसेज आया था! श्वेता को तेज बुखार हो गया है! वह सिर्फ तुमको याद कर रही है!
ओ नो! घर पर मैसेज दे दो! मैं वहां पांच मिनट में पहुंचता हूं!
सॉरी प्रोफेसर बख्शी! मैं आपसे बाद में मिलता हूं!
अगर मेरी बहन ने मुझे याद किया है तो मैं एक पल भी रुक नहीं सकता! वह मुझे जान से भी ज्यादा प्यारी है!
मैं समझता हूं ध्रुव! तुम जाओ, मैं अपनी जांच जारी रखता हूं!
इस वक्त ध्रुव को न ट्रेफिक जाम रोक सकता था, और न ट्रेफिक सिग्नल-
इस शार्ट कट पर सिग्नल नहीं मिलेंगे!
जल्दी ही-
क्या हुआ, श्वेता? तुझे बुखार कैसे आ गया?
ले! आ गया तेरा भइया!
कुछ नहीं भइया! कोई मच्छर शायद तुम्हारा इंतजार कर रहा था! तुम नहीं आए तो मुझे काट गया!
डॉक्टर को 'मेनिन्जाइटस' का शक है! ब्रेन फीवर! ये 'ब्लड सैंपल' लेने आए हैं!

सैंपल तो मैंने ले लिया है! लेकिन रिपोर्ट आपको कल सुबह से पहले नहीं मिल पाएगी!
क्यों?

देखिए, अभी शाम के साढ़े छह बज रहे हैं! और राजनगर के ट्रैफिक का हाल तो आप जानते ही हैं! मुझे पैथोलॉजी लैब तक पहुंचते-पहुंचते ही आठ बज जाएंगे! और आठ बजे लैब बन्द हो जाती है!

लाओ! ब्लड सैंपल मुझे दो! मैं इसे दस मिनट से पहले-पहले तुम्हारी लैब में पहुंचा दूंगा!
यकीन तो नहीं होता! लेकिन अगर आप ऐसा चमत्कार कर सकते हैं तो करिए!
मैं दस मिनट तक यहीं आपके फोन का इंतजार करता हूं!

एक मिनट रुको ध्रुव! मुझे तुमसे कुछ कहना है!
क्या, पापा?
हमने नटालिया का बयान लिया है। उसने तुम्हारी सिक्योरिटी के कारण पुलिस सिक्योरिटी लेने से इंकार कर दिया है। मुझे यह मामला खतरनाक लग रहा है ध्रुव!
हम तकनीक में दूसरे ग्रह वालों से नहीं जीत सकते! तुम इस मामले में अकेले आगे मत बढ़ो।

चिन्ता मत कीजिए पापा! थोड़ी बहुत तैयारी मैंने भी कर रखी है। अगली बार जब मेरा शतबुद्धि से सामना होगा, तो वह मुझे असहाय नहीं पाएगा!
तुमको खतरे का डर दिखाकर रोक पाना असंभव है! बेस्ट ऑफ लक बेटे!
थैंक्यू पापा!
वैसे अभी मैं श्वेता का 'ब्लड सैंपल' देने जा रहा हूं! शतबुद्धि से लड़ने नहीं!
ध्रुव की तैयारी जारी थी-
करीम, सारी तैयारियां हो गईं न?
यस कैप्टेन! पीटर ने तुम्हारा सारा काम रिकॉर्ड टाइम में पूरा कर दिया है!
गुड! अब मेरे मैसेज का इंतजार करो!
तभी-
ओह! नटालिया का डेंजर सिग्नल! करीम!
तुरंत पता करो कि वॉच ट्रांसमीटर के सिग्नल कहां से आ रहे हैं?
पींऽऽ पीं पिं पींऽऽऽ
सिग्नल हाइलैंड रिसोर्ट के पास से आ रहे हैं!
वह जगह तो इस वक्त काफी सुनसान रहती है!
ठीक है करीम! तुम अपना काम शुरू कर दो!

पैथोलॉजी लैब और हाइलैंड रिसोर्ट अलग-अलग दिशा में है! अब मैं क्या करूं? श्वेता को बुखार से तड़पने दूं या निर्दोषों की जान बचाऊं?
नहीं! मैंने अपराध से लड़ने की शपथ उठाई है! मेरे लिए अपने पराए में भेदभाव नहीं होना चाहिए! मैं नटालिया के पास पहले जाऊंगा! हाइलैंड रिसोर्ट!
करीम, घर पर मैसेज दे दो कि वे श्वेता का दूसरा ब्लड सैंपल टेस्ट के लिए भिजवा दें! मुझे कुछ अर्जेंट काम निपटाना है!
यस, कैप्टेन! एज यू से!
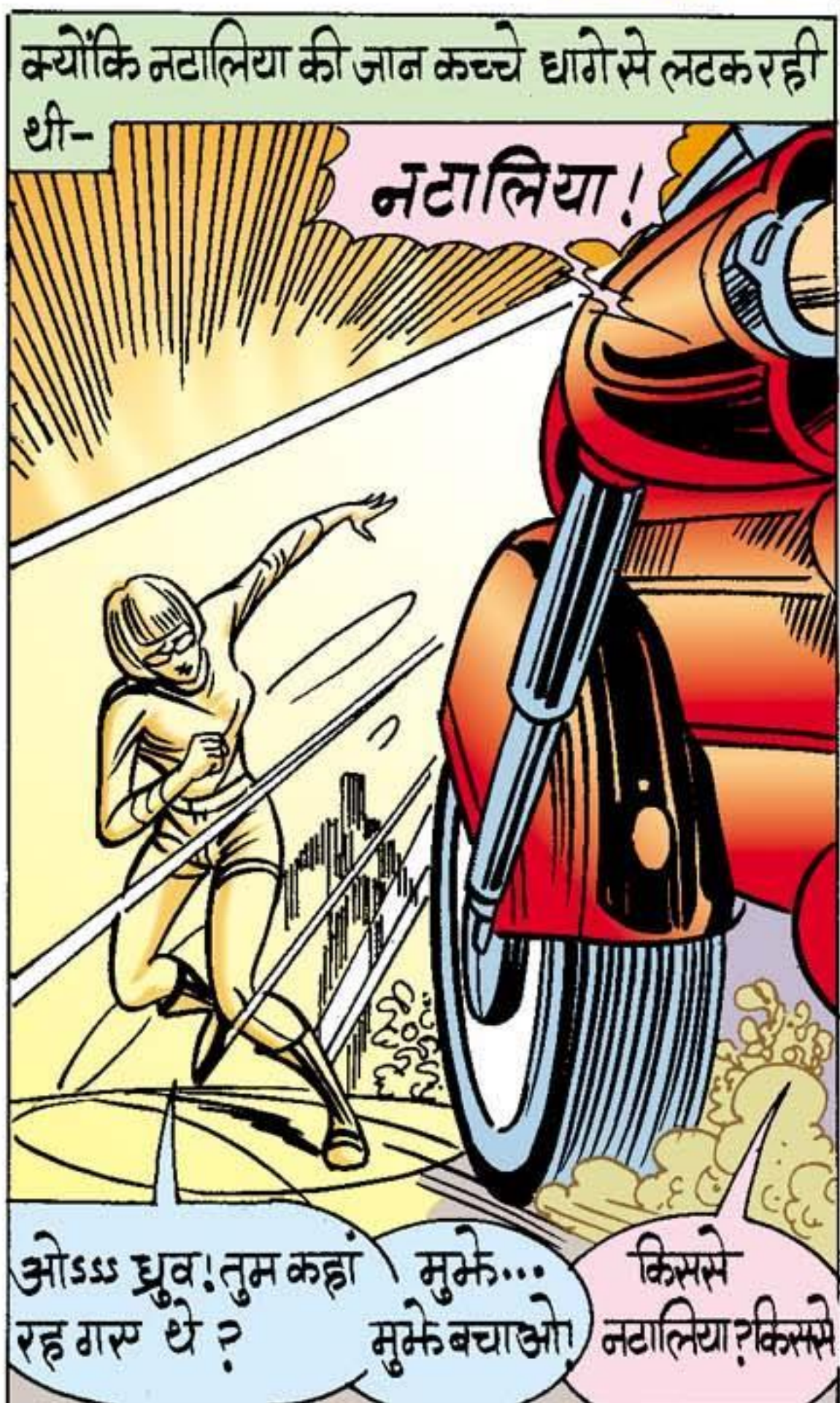
ध्रुव ने फर्ज की पुकार सुनकर एकदम ठीक किया था-
HIGHLAND RESORT

क्योंकि नटालिया की जान कच्चे धागे से लटक रही थी-
नटालिया!
ओऽऽऽ ध्रुव! तुम कहां रह गए थे?
मुझे... मुझे बचाओ!
किससे नटालिया? किससे?
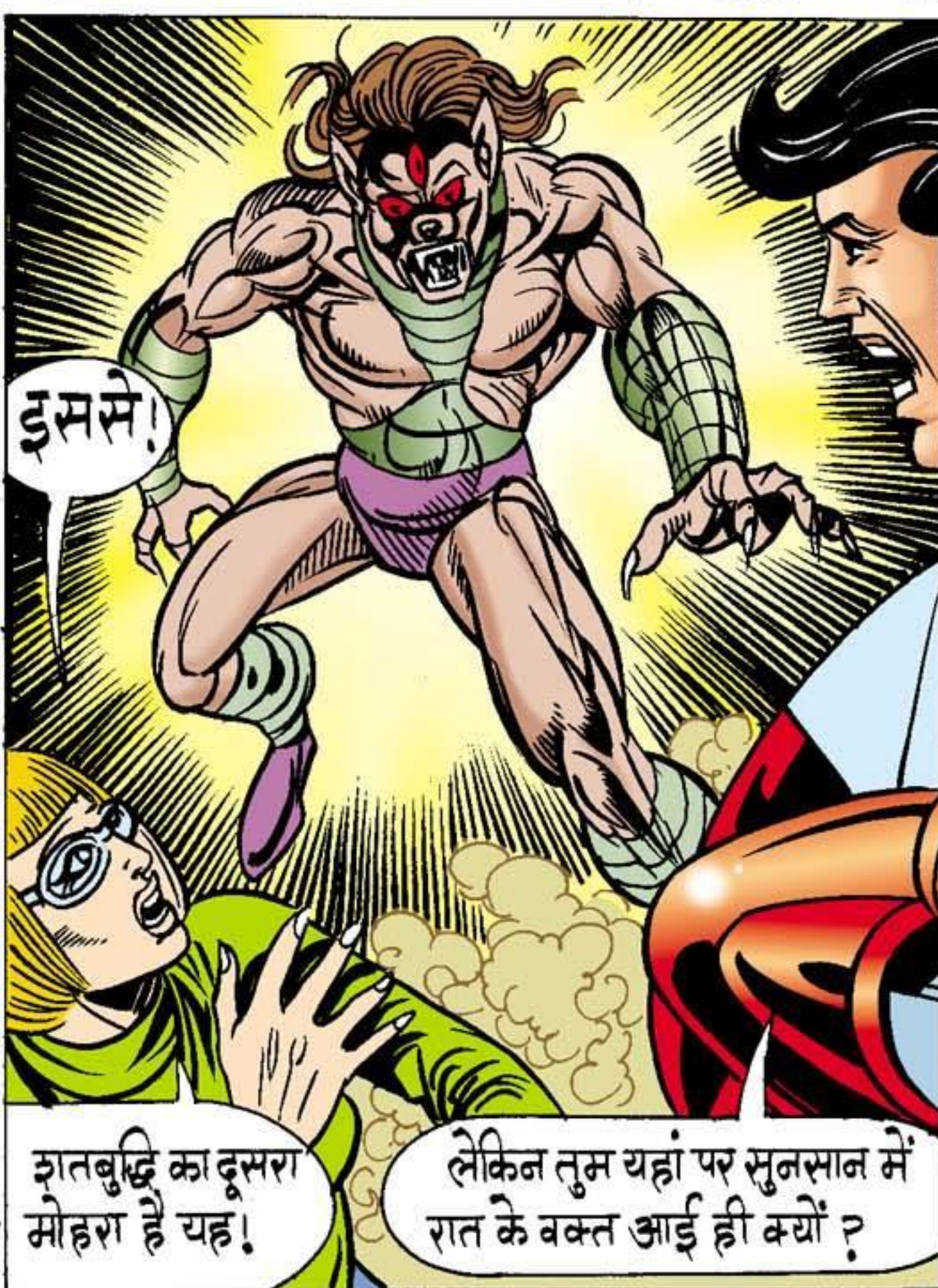
इससे!
शतबुद्धि का दूसरा मोहरा है यह!
लेकिन तुम यहां पर सुनसान में रात के वक्त आई ही क्यों?

इन्होंने तुम्हारी आवाज़ में फोन करके मुझको यहां पर बुलाया था! मैं मूर्ख बन गई!

जल्दी बैठो! मैं तुमको छोड़कर फिर वापस आऊंगा!

ओह! भागने का विचार छोड़कर मुकाबला करना होगा!

आऽऽऽह!

एक पल पहले ध्रुव को खतरे का एहसास हो गया था-
फटहूऽऽ ड्राऽऽऽऽऽऽऽ

इसको वार करने का मौका नहीं देना चाहिए! वर्ना न जाने ये अगला वार क्या कर बैठे?
नाइलो स्टील की कई डोरियां एकसाथ, उस प्राणी को लपेटती चली गईं-
इसके इस शिकंजे से निकलने से पहले मैं... आऽऽऽह!
ये नाइलो-स्टील की डोरी के द्वारा मुझ तक 'इलेक्ट्रिक शॉक' पहुंचा रहा है!
इन डोरियों को ब्रेसलेट से अलग करना होगा!
ध्रुव 'इलेक्ट्रिक शॉक' से तो बच गया-
तड़ाकक्क
लेकिन अगला वार नहीं बचा पाया-

अब वह प्राणी एक बार फिर नटालिया की तरफ मुड़ा-
बस! वहीं पर रुक जा! पहली बार तूने जो पिस्तौल मेरे हाथों से गिरा दी थी, उसको मैंने इतनी देर में ढूंढ लिया है!... हाथ ऊपर कर, वरना तुझे यहीं ढेर कर दूंगी!

अरे! अरे! गोलियों का तो इस पर कोई असर नहीं हो रहा है! यह तो बढ़ता चला आ रहा है!
धांय धांय
धांय
धांय धांय

मेरा शिकार!
धड़ाक
वह तुझे कभी नहीं मिलेगा!
ध्रुव, उस प्राणी के बहुत पास आ गया था-
अगले ही पल उसका शरीर एक शिकंजे में जकड़ गया-
आsssह! फिर से इलेक्ट्रिक शॉक लग रहे हैं। और शरीर गीला होने के कारण मेरे बूटों के रबर सोल भी मुझे बचा नहीं पा रहे हैं!
आsssह!
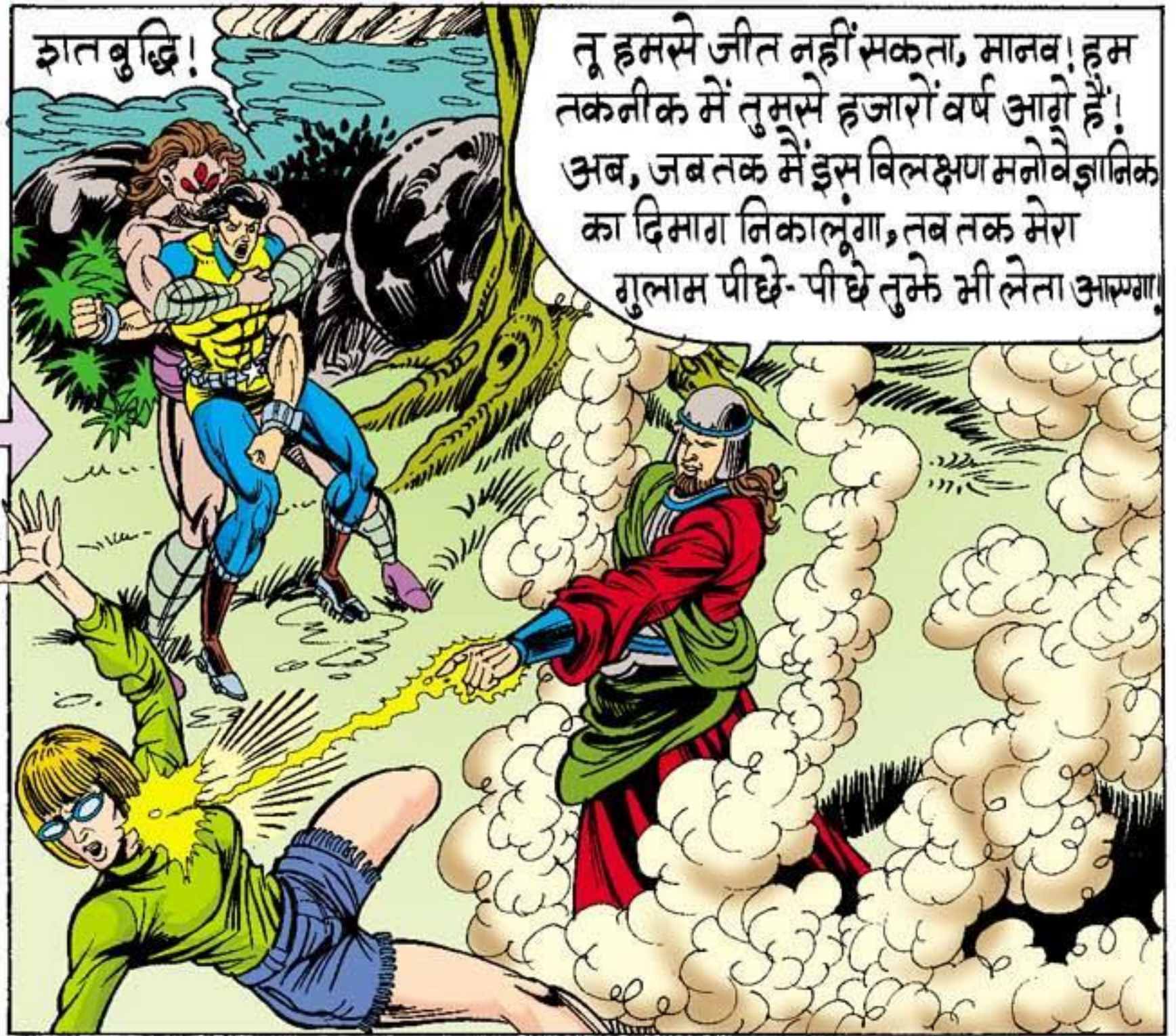
तभी-
हा हा हा हा हा!
शतबुद्धि!
तू हमसे जीत नहीं सकता, मानव! हम तकनीक में तुमसे हजारों वर्ष आगे हैं! अब, जब तक मैं इस विलक्षण मनोवैज्ञानिक का दिमाग निकालूंगा, तब तक मेरा गुलाम पीछे-पीछे तुम्हें भी लेता आएगा!
यान!
शतबुद्धि ने अपनी उंगली उठाई-
और अंधेरे को चीरती हुई उड़नतश्तरी जगमगा उठी-
ओह! शतबुद्धि नटालिया को लेकर उड़नतश्तरी की तरफ जा रहा है!
मुझे इसके पीछे जाना होगा! लेकिन इसके गुलाम से पीछा कैसे छुड़ाऊं?

शतबुद्धि उड़नतश्तरी तक पहुंच चुका है!... और ये 'इलैक्ट्रिक शॉक' मुझे छूटने नहीं दे रहा है!
इलैक्ट्रिक शॉक मेरी शक्ति को सोख रहा है! पैर जमीन से उठाने पर भी इससे छुटकारा नहीं मिल रहा है। क्योंकि इलैक्ट्रिक शॉक छोड़ने वाला जमीन के संपर्क में है!
इसका संपर्क अगर जमीन से टूट जाए, तो 'शॉक' की तीव्रता सहने लायक हो जाएगी...
... लेकिन ये होगा कैसे?
ये पत्थर! और ये पेड़! हां, रास्ता तो है!
स्टार लाइन डाल के ऊपर से होती हुई-
ध्रुव ने पूरी ताकत लगाई, और पत्थर ढलान पर लुढ़क गया-
पत्थर पर आ गिरी! और उसी पल दूसरी स्टार लाइन ने उस डोर को पत्थर से जकड़ दिया-

इस लड़ाई पर ज्ञानबुद्धि की नजरें गड़ी हुई थीं-
पत्थर को डोरी से बांध-कर और उसको लुढ़काकर आखिर यह लड़का करना क्या चाहता है?
जवाब हाजिर था-
पत्थर नीचे गिरा और ध्रुव के साथ-साथ गुलाम का शरीर ऊपर खिंच गया-
जमीन से संपर्क टूटते ही 'इलेक्ट्रिक शॉक' की तीव्रता खत्म हो गई-
और ध्रुव का दिमाग, कंप्यूटर से भी तेज गति से सोचने लगा-
यह चौंक गया है! अब मुझे सिर्फ अपने शरीर को जरा सा मोड़ना होगा! और मेरे बजाय इस गुलाम का शरीर तेज गति से डाल से टकराएगा! ... ... इस टक्कर से इसके एक तिहाई होश गुम हो जाएंगे!
तड़ंक
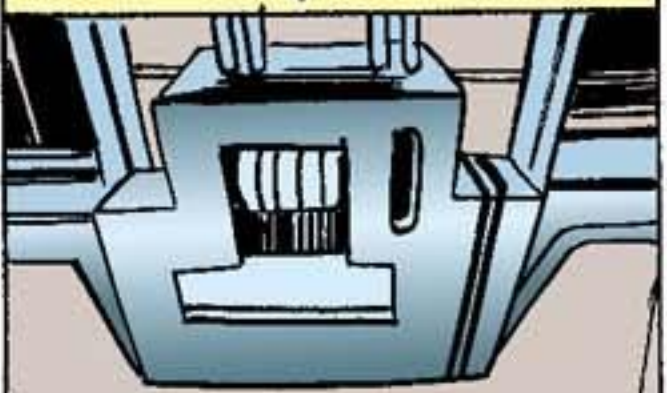
बाकी का एक तिहाई जमीन पर गिरने से गुम हो जाएगा!
और रहा-सहा एक तिहाई मैं गुम कर दूंगा!
कड़ाक
हो गए इसके पूरे होश गुम!
धम्म्म्म
ध्रुव ने गुलाम को बेहोश कर दिया है। अब वह इधर ही आएगा! लेकिन... लेकिन यह क्या? वह तो पेड़ों के बीच में छिपकर गायब हो रहा है!
कहां मर गया? कहीं नजर नहीं आ रहा है! ये कोई चाल तो नहीं है इसकी?

हां, हां, ये रहा! वह अन्दर आ रहा है! अब यह जाल में फंसेगा!
उड़नतश्तरी के बाहर की सारी रोशनियां बुझा दो! किसी को यह पता नहीं चलना चाहिए कि हम यहां पर हैं!
धूल में सने ध्रुव को इस वक्त यह परवाह नहीं थी कि वह खतरे में फंसने जा रहा था–
उसे फिक्र थी तो सिर्फ नटालिया की जान की–
शायद इसीलिए उसे आने वाले खतरे का आभास नहीं हुआ–
स्वागत, वेलकम, खुशआमदीद, विलक्षण दिमाग के मस्तिष्क सुपर कमांडो ध्रुव!
शतबुद्धि के गरीबखाने में तुम्हारा स्वागत है!
इससे पहले कि ध्रुव संभलकर खड़ा हो पाता–

उसे एक बंधन में जकड़ लिया गया-
हा हा हा! चतुर्भुज को देखकर चौंक गया न ध्रुव! तूने जिसे खत्म किया था, वह इसका मॉडल था! एक रोबॉट! जब यह समझ गया कि ये तुमसे जीत नहीं सकता तो तुमको अपने रोबॉट से भिड़वा कर वापस आ गया!
अब कोई भी चालाकी करने से पहले यह समझ ले...
...कि तेरी एक गलत हरकत इस लड़की की जान ले लेगी! यही तेरी कमजोरी है न? निर्दोषों की रक्षा!
तू नहीं चाहेगा कि तेरे कारण एक निर्दोष की जान जाए!
बांध दो इसको ऑपरेशन सेक्शन पर!
प्रतिरोध करने का कोई मतलब नहीं था-
कुछ ही देर बाद ध्रुव का शरीर शिकंजों में कैद था-
तुमने... तुमने ध्रुव को बांध दिया? कसकर?
हां! अब यह हिल भी नहीं सकता!

आश्चर्य हो रहा है न सुपर कमांडो ध्रुव! हां, यह मेरा जाल है! मेरा! ग्रेट साइकॉलोजिस्ट नटालिया का!

यह शतबुद्धि तो मेरा मोहरा है! मेरा स्पेशल इफेक्ट स्पेशलिस्ट!

ओह! तो यह सारा नाटक था! एक झूठ!

हूं! सारा नाटक नहीं है! यह सच है कि हम दिमाग इकट्ठा कर रहे हैं। एक खतरनाक हथियार बनाने को! सिर्फ एक दिमाग की कमी है!
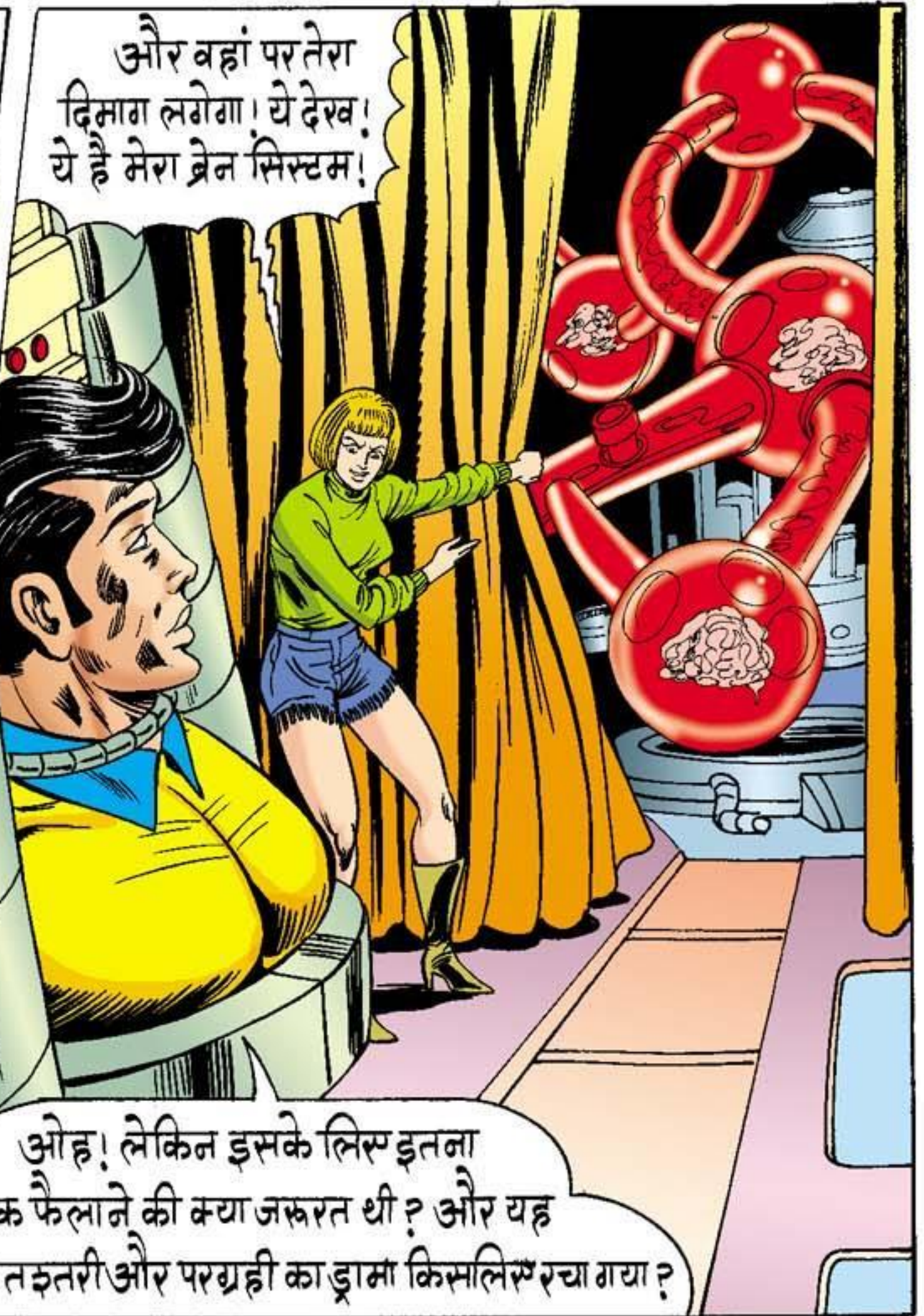
और वहां पर तेरा दिमाग लगेगा! ये देख! ये है मेरा ब्रेन सिस्टम!

ओह! लेकिन इसके लिए इतना नाटक फैलाने की क्या जरूरत थी? और यह उड़नतश्तरी और परग्रही का ड्रामा किसलिए रचा गया?

दो कारण थे! एक तो हमको यह जानकारी थी कि परग्रहियों से तुम थोड़ा कमजोर पड़ते हो। और दूसरा यह कि अब पुलिस तक को यकीन हो गया है कि इंसानों का दिमाग निकालना परग्रहियों का काम है। इसलिए तुम्हारी लाश मिलने के बाद भी ज्यादा छान-बीन नहीं की जाएगी। गवाही मैं दे दूंगी!
टी० वी० पर तुम्हारा कारनामा देखने के बाद ही मैंने यह प्लान बना लिया था। उड़नतश्तरी का एक प्लाइवुड का मॉडल बनाया, और उसमें तेज लाइटें फिटकरके उसको हैलीकॉप्टर से लटकाकर उड़वा दिया! अंधेरे में हैली-कॉप्टर किसी को नजर नहीं आ रहा था!
छानबीन होने से पहले ही मॉडल की लाइटें बंद करके उसको नीचे उतार दिया था। परग्रही आ चुके थे। और सरकटी लाश भी मिल चुकी थी! अमृत राना की, जिसे मैंने ही मुंबई से बुलवाया था!
अब तुमको परग्रहियों का यकीन दिलाना जरूरी था! मैंने तुमको फोन करके ऐसी जगह पर बुलाया जहां पर पहले से ही सारी चीजें फिट की जा चुकी थीं। चतुर्भुज के हाथ से साधारण रोशनी की किरणें निकल रही थीं। धमाके तो उन जमीन के नीचे फिट बमों के कारण हो रहे थे जिनको चतुर्भुज रिमोट से फोड़ रहा था! पेड़ पहले से कटा हुआ था! जेनरेटर सिर्फ स्टार्ट होता था करंट नहीं देता था! लेकिन तुमने पेट्रोल का इस्तेमाल करके चतुर्भुज को भागने पर विवश कर दिया! इस स्थिति के लिए भी हम तैयार थे!
बाहर निकलते ही तुमको चतुर्भुज के रोबॉट ने पकड़ लिया। और उसके बाद तुम 'रोबॉट' से लड़ते रह गए थे! रोबॉट के नष्ट होते ही मैं आ पहुंची!

ओह! लेकिन उस रोबॉट में ऐसे तत्व कहां से आए जो पृथ्वी पर नहीं पाए जाते?
अंतरिक्ष से बेशुमार उल्काएं पृथ्वी पर गिरती रहती हैं! हमारे पास ऐसी कुछ उल्काएं थीं! उनके तत्वों से ही कुछ पुर्जे बनाकर रोबॉट में फिट कर दिए गए थे!
ताकि परग्रहियों पर तुम्हारा यकीन पक्का हो जाए।
ओह! लेकिन तुम्हारे पास चतुर्भुज और गुलाम जैसे अजूबे कहां से आ गए?

दुनिया में कई विकृत शिशु पैदा होते हैं! और साइकोलोजिस्ट होने के नाते ऐसे बच्चों को देखकर शॉक खाए मां-बाप मुझसे मिलाने आते रहते हैं!
चतुर्भुज और गुलाम ऐसे ही विकृत पैदा हुए शिशु हैं! जिनको मैंने बचपन से पाल-पोस कर इसी काम के लिए बड़ा किया है!
तुमने उड़नतश्तरी को हाइलैंड रिसोर्ट जैसी जगह पर खड़ा किया है। सुबह होते ही दर्शक आने लगेंगे, और तुम पकड़ी जाओगी!

उड़नतश्तरी तो सिर्फ मॉडल है! दिखाने के लिए रखी गई है! मेरा अड्डा तो पहाड़ियों के अंदर है! उड़नतश्तरी को मेरे आदमी हैलीकॉप्टर द्वारा हटा लेंगे! वैसे भी अब मुझे उसकी जरूरत नहीं है। बस, बातें बहुत हो गईं...
...अब तुझे मरने का अफसोस नहीं होगा। क्योंकि तू सारे रहस्य जानकर मर रहा है। चतुर्भुज, निकाल लो इसका दिमाग!

घूमती आरी ध्रुव के सर में धंसती चली गई-
घर्रर्रर्रर्र

और-
ये... ये क्या? ये नहीं हो सकता!

सुपर कमांडो ध्रुव एक रोबॉट है!
हमारे साथ धोखा हुआ है!
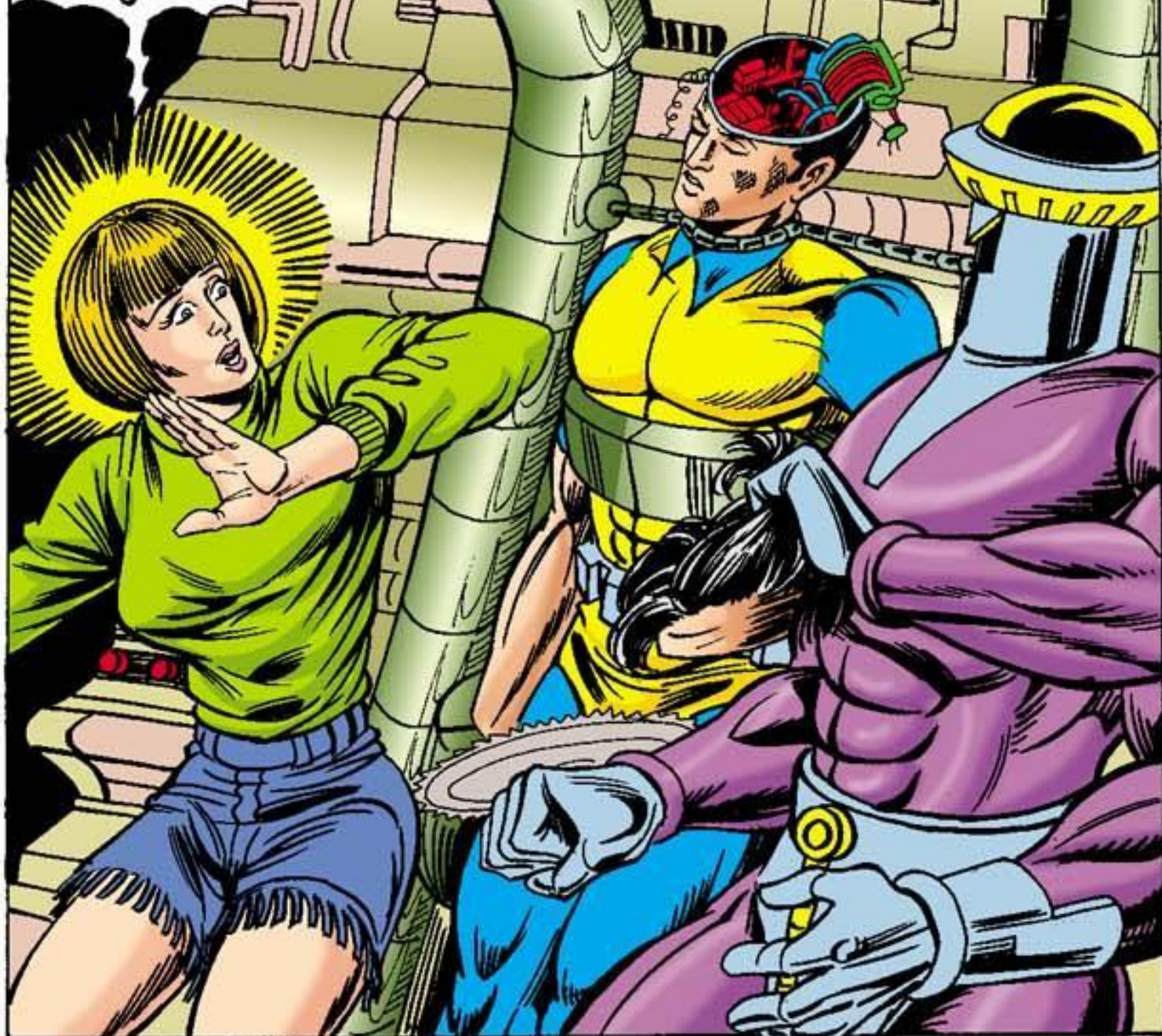
तुम्हारा प्लान तो अच्छा था नटालिया! अब तक मैं भी श्योर नहीं था कि यह सब चक्कर परग्रहियों का है या नहीं! इसी-लिए मैंने तुम्हारा सारा प्लान जानने के लिए यह सावधानी बरती थी!

तुम पर मुझे शक तब हुआ, जब मैं जंगल में जलते चतुर्भुज के पीछे केबिन से बाहर आया था और उसके रोबॉट ने मुझे जकड़ लिया था! रोबॉट का बदन एकदम ठंडा था! जबकि तुरंत आग से घिरे चतुर्भुज का शरीर थोड़ा तो गर्म होना चाहिए था!

यह स्पष्ट था कि मुझे नकली चतुर्भुज ने पकड़ रखा था! लेकिन क्यों? इसका जवाब मुझे ढूंढ़ना था!

और जवाब ढूंढ़ने का सबसे अच्छा जरिया तुम ही थी, नटालिया!

इसीलिए मैंने तुमको 'वॉच ट्रांसमीटर' दिया था! तुम्हारा दूसरा मैसेज आने के पहले मैंने अपनी तैयारी कर ली थी!

मेरे 'रोबॉट स्पेशलिस्ट' विक्रम ने रिकॉर्ड टाइम में मेरा रोबॉट तैयार कर दिया, जिसको मैं कंट्रोल करके चला भी सकता था, और उसका मुंह हिलाकर बात भी कर सकता था!

हाइलैंड रिसोर्ट से तुम्हारे सिगनल मिलते ही मैंने अपने कैडेट पीटर द्वारा इस रोबॉट और इसके कंट्रोल को यहां मंगवा लिया था!

इस पर धूल की पर्त भी चढ़ा दी गई थी ताकि इसकी प्लास्टिक की खाल साफ नजर न आए!

गुलाम को हराने के बाद मैं यहां पर नहीं आया था। बल्कि मेरा रोबॉट आया था! और जब तुम सबका ध्यान रोबॉट पर था, तब मैं भी चुपचाप उड़नतश्तरी के अंदर प्रवेश कर गया था!

और अब तक मेरे कैडेट पीटर ने पुलिस को मैसेज भी भेज दिया होगा, और पुलिस तुम्हारी आवभगत को अब यहां आती ही होगी!

विक्रम के बारे में विस्तार से जानने के लिए पढ़ें: **ममी का कहर**

न मैसेज गया है, न कोई आएगा!

ओह! गुलाम होश में आ गया है, और इसने पीटर के होश छीन लिए हैं!

शाबाश गुलाम! कुछ देर के लिए तो मेरी सोचने-समझने की ताकत ही गुम हो गई थी!

अब तुम और चतुर्भुज मिलकर इसको काबू में कर लो! हम खुद निकालेंगे इसका दिमाग!
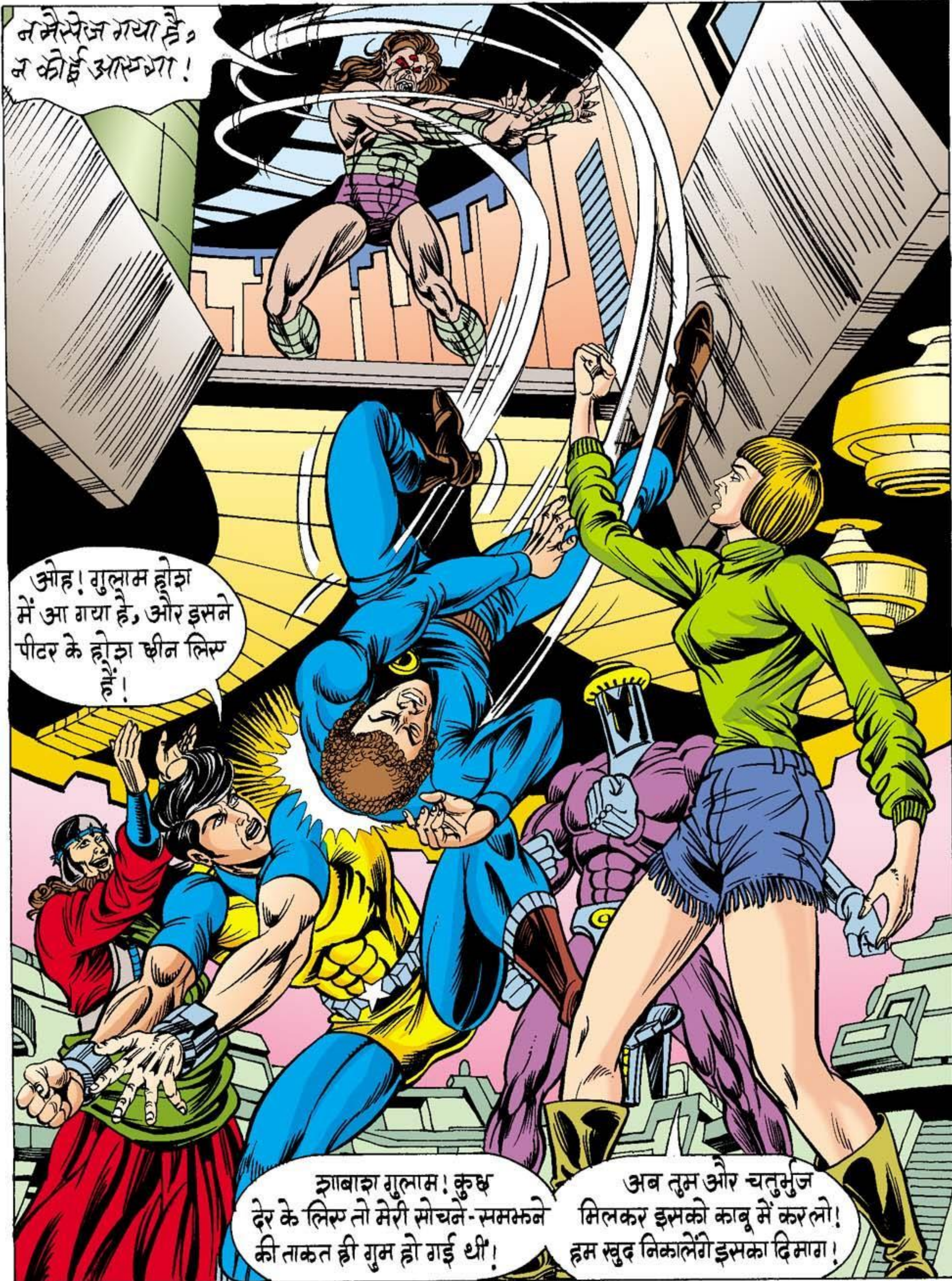
मैं इन दोनों अजूबों से एकसाथ उलझना नहीं चाहता! स्टार ट्रांसमीटर से मैसेज भेजकर पुलिस को बुला लेता हूं! तब तक इनको मैं किसी तरह से रोके रहूंगा!

ध्रुव के दिमाग में ख्याल आते ही-

एक कंप्यूटर स्क्रीन चमक उठी-

ध्रुव, 'स्टार-ट्रांसमीटर से संदेश भेजेगा

और 'स्टार-ट्रांसमीटर' संदेश भेजने लायक नहीं रहा-

कड़ाक

हा हा हा! देखा सुपर कमांडो ध्रुव! यह मेरे ब्रेन सिस्टम का कमाल है! यह तेरी हर चाल को पहले से ही भांपकर बता देगा! और जब इसकी खाली जगह में तेरा दिमाग लग जाएगा, तब यह दुनिया के हर दिमाग को पढ़ सकेगा!

तड़ाक

ऐसा है तो मुझे बिना दिमाग की लड़ाई लड़नी होगी! अपने 'रिफ्लेक्स एक्शन' को काम में लाना होगा! वैसे ही जैसे दो बॉक्सर एक दूसरे से लड़ते हैं! बिना सोचे समझे!

तड़ाक

धड़ाक

ओह! 'रिफ्लेक्सएक्शन' के कारण इसकी सोच तेजी से बदल रही है! एक ख्याल स्क्रीन पर पूरा आने से पहले ही दूसरा ख्याल शुरू हो जाता है! मुझे गुलाम और चतुर्भुज की मदद करनी होगी!
दाहिने पैर से किक..... बांयां घूंसा लेफ्ट हुक द्वा

अपने 'ब्रेन एजीटेटर' के द्वारा! ये ध्रुव के दिमाग के उस हिस्से को भड़का देगा जिसमें डर छिपा होता है। वह हिस्सा भड़कते ही...

... ध्रुव भीगी बिल्ली बनकर रह जाएगा!
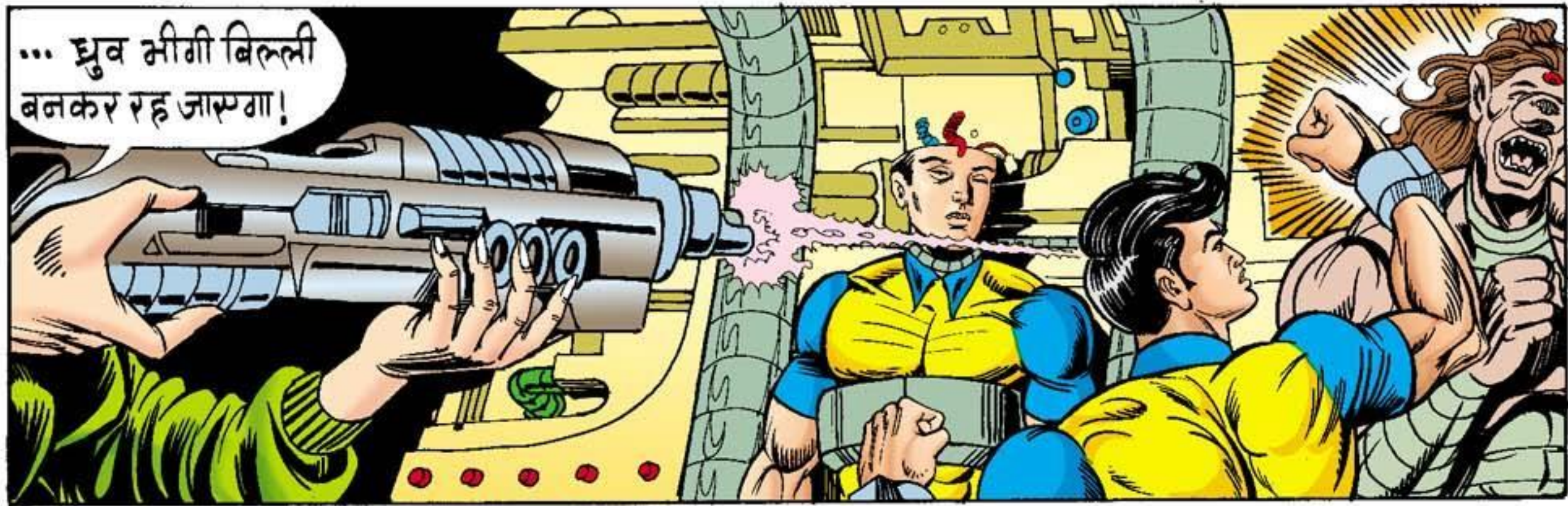
आऽऽऽह! यह क्या हो रहा है? मुझे एकाएक इनसे डर लगने लगा है। पैर डर से थरथरा रहे हैं! खड़ा रहना तक मुश्किल है!
यह जरूर नटालिया के 'ब्रेन एजीटेटर' का कमाल है! अब मैं क्या करूं?
सिर्फ भागने और जान बचाने के ख्याल ही दिमाग में आ रहे हैं!
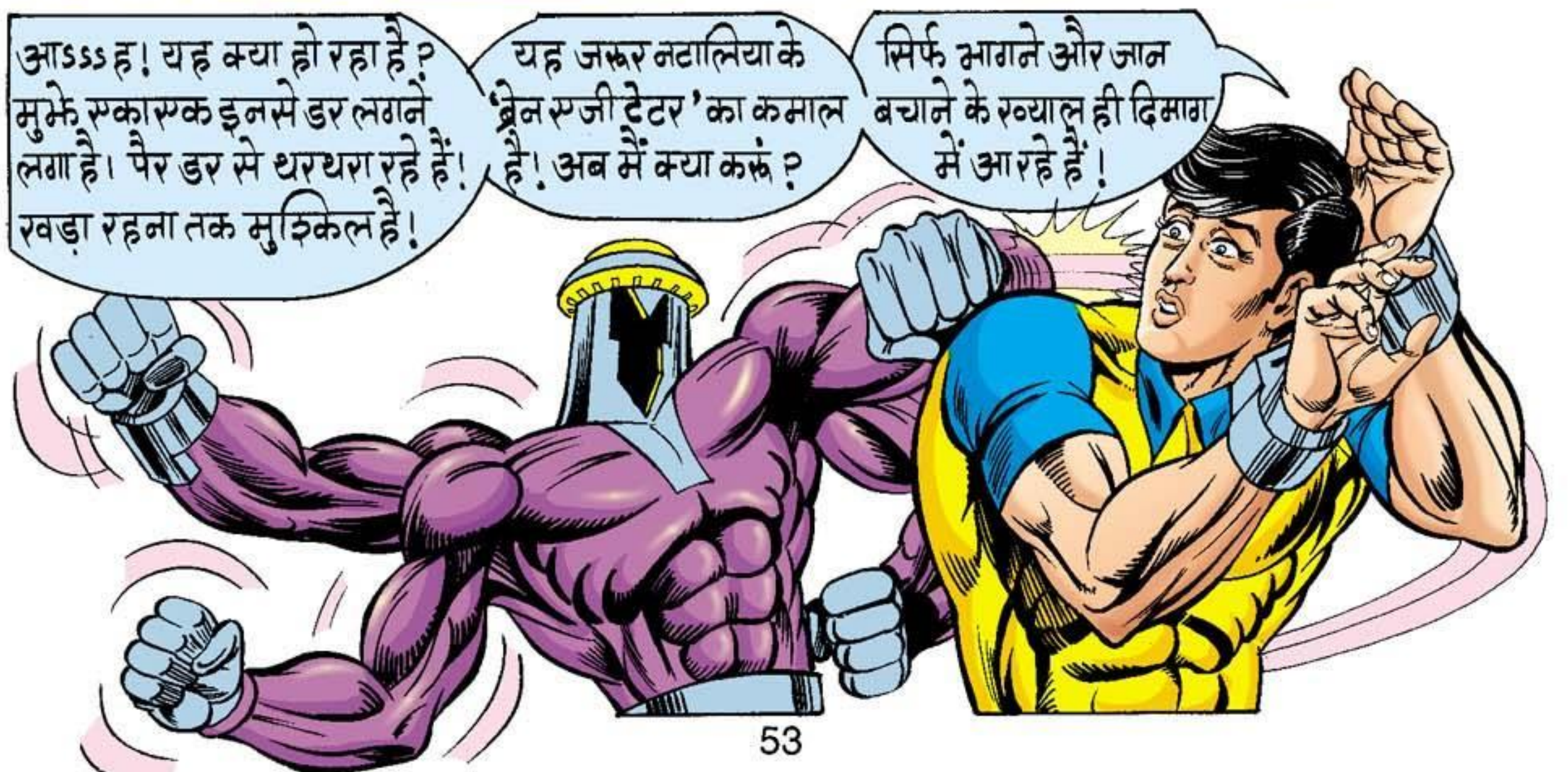
हा हा हा। तेरे दिमाग से आज तक कोई जीत नहीं पाया है ध्रुव! आज तू भी अपने दिमाग से हारेगा! तू अपने दिमाग के कारण ही मरेगा!
नहीं! मैं ऐसे नहीं हारूंगा! नहीं हारूंगा!
काश, पीटर जल्दी से होश में आ जाए! मुझे एक मददगार की जरूरत है!
इस मुसीबत से बचने का एक ही रास्ता है! नटालिया के हाथों से ब्रेन एनर्जी टेटर गिराना होगा! लेकिन ये दोनों मुझे उस तक नहीं पहुंचने देंगे! अरे! एक रास्ता तो है!
लेकिन इस योजना पर काम करने से पहले मुझे कंप्यूटर स्क्रीन तोड़नी होगी! ताकि ब्रेन सिस्टम मेरे ख्याल नटालिया तक न पहुंचा पाए!
ओह! तू अपने कंट्रोल फिर से पहन रहा है। लेकिन इसका क्या फायदा है! तेरे रोबॉट का इलेक्ट्रॉनिक दिमाग तो खत्म हो चुका है!
रोबॉट इंसान नहीं होते नटालिया कि उनका पूरा शरीर सिर्फ एक दिमाग से चले!
उनके हर अंग को चलाने का सिस्टम अलग और स्वतंत्र होता है।
मैंने रोबॉट को कैद करने का तरीका देखा है। इसीलिए मैं उसे आजाद भी कर सकता हूं!

यह बटन दबाकर!
कट
अब मैं इन दोनों से निपटूंगा और मेरा रोबोट तुमसे निपटेगा!
ओह! इस पर मेरे मनोवैज्ञानिक हथियार बेकार हैं! इसे रोको ज्ञानबुद्धि! इसे रोको!
ज्ञानबुद्धि भला रोबॉट को कैसे रोक पाता-
नहीं! दूर रह! दूर रह सरकटे!
कड़ंच
मेरा एजीटेटर! मेरा ब्रेन एजीटेटर!
आऽऽऽह!
तड़ाक
अब ये दोनों मिलकर गुलाम और चतुर्भुज से लड़ रहे हैं! ध्रुव जीत जाएगा! मुझे कुछ करना होगा! अपना ब्रेन सिस्टम पूरा करना होगा! एक दिमाग चाहिए! सिर्फ एक दिमाग! किसका दिमाग लूं मैं? हांऽऽऽ समझ गई!
तड़ाकक
धाड़
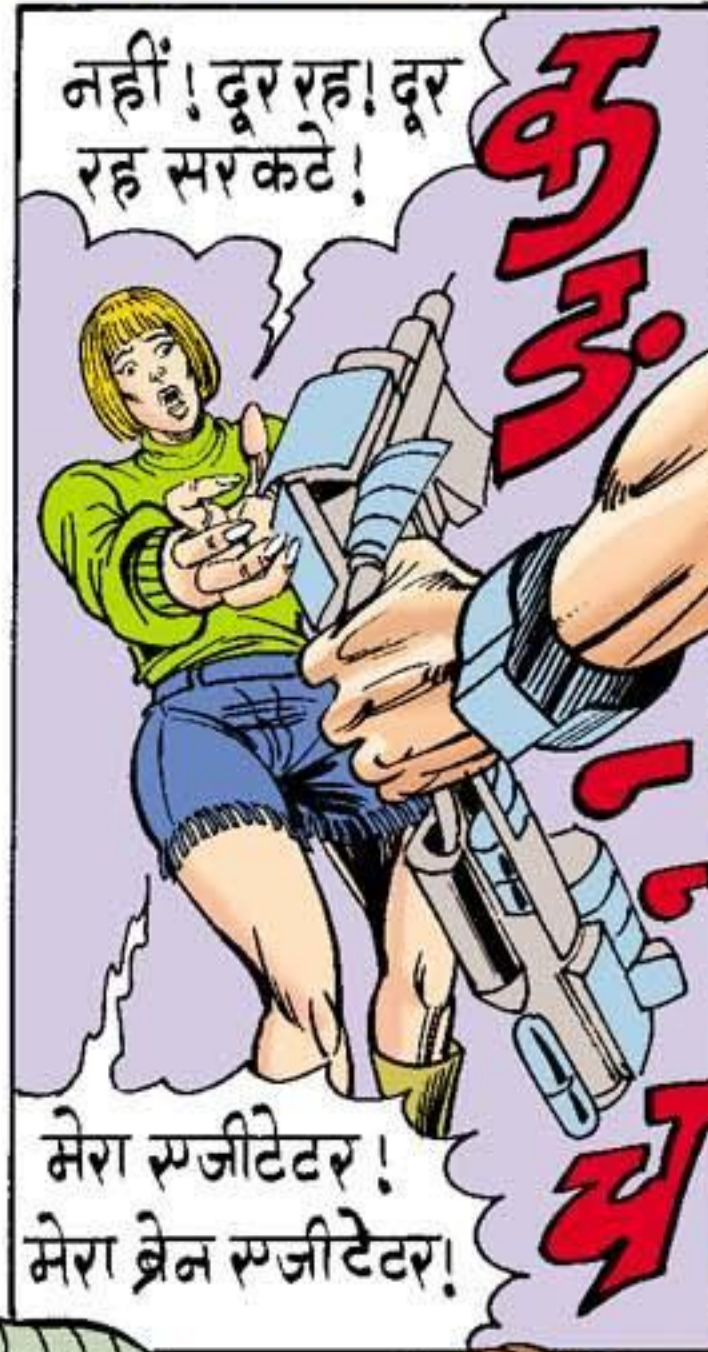
रोबॉट की मशीनी शक्ति और ध्रुव के करारे वारों के सामने गुलाम और चतुर्भुज ज्यादा देर टिक नहीं सके-
और उनके गिरते ही-
ध्रुव और रोबॉट भी जमीन पर आ गिरे-
ओह! यह क्या था? मैं तो खतरे का आभास पाकर झुक गया, लेकिन मेरा रोबॉट नहीं झुक पाया, और पुर्जे-पुर्जे हो गया है! कौन कर सकता है ऐसा भीषण वार?
मेरा ब्रेन सिस्टम! ये वार मेरे ब्रेन सिस्टम का है!
लेकिन तुम्हारे ब्रेन सिस्टम में तो एक गोला खाली था! उसमें किसका दिमाग डाला तुमने?
जब इसमें तुम्हारा दिमाग लग जाएगा तो इसके मेंटल ब्लास्ट पूरी दुनिया को उड़ा देंगे। अभी इसमें शतबुद्धि का घटिया दिमाग लगा है! फिर भी ये सिस्टम तुम्हारे चिथड़े उड़ा देने के लिए काफी हैं!
हां, शतबुद्धि का खून जरूर काम आ रहा है! यह दिमागी सिस्टम खून में ही जिन्दा रह सकता है। ताजे खून से इसकी शक्ति और बढ़ेगी!

तुम दिमाग की डॉक्टर नहीं, दिमाग की मरीज हो नटालिया! पागल हो गई तुम! वरना इतना घिनौना काम तुम कभी न करती!

मैं चाहे पागल हूं, लेकिन तुम डर के मारे पागल मत हो जाना!

वरना तुम्हारा 'ए-ग्रेड' दिमाग मेरे किसी काम का नहीं रहेगा!

इस ब्रेन सिस्टम पर कोई भी वार बेकार है! इसकी अब तक सिर्फ एक ही कमजोरी समझ में आई है कि ये खून में ही जिन्दा रह सकता है। अगर शीशे के गोले को तोड़कर खून को बहा दिया जाए तो...

ओह! इसने ब्लेड्स को नष्ट कर डाला!

आऽऽऽह! मेरा कंधा! मेरा कंधा उतर गया है! डिस्लोकेट हो गया है!

इस ब्रेन सिस्टम से मैं नहीं जीत सकता! जो भी चाल चलूंगा, उसको यह पहले से ही भांपकर उसकी काट तैयार कर लेगा!

शायद मेरी बेल्ट में ऐसी कोई चीज हो जो मुझे इससे बचने का रास्ता दिखा सके! यह... यह क्या है? यह तो... यह तो...

लेकिन इस हथियार का तोड़ 'ब्रेन-सिस्टम' के पास नहीं था-

क्योंकि कुछ ही पलों के बाद-

ये क्या हो रहा है? मुझे ऐसा क्यों लग रहा है कि ये मस्तिष्क फूल रहे हैं?
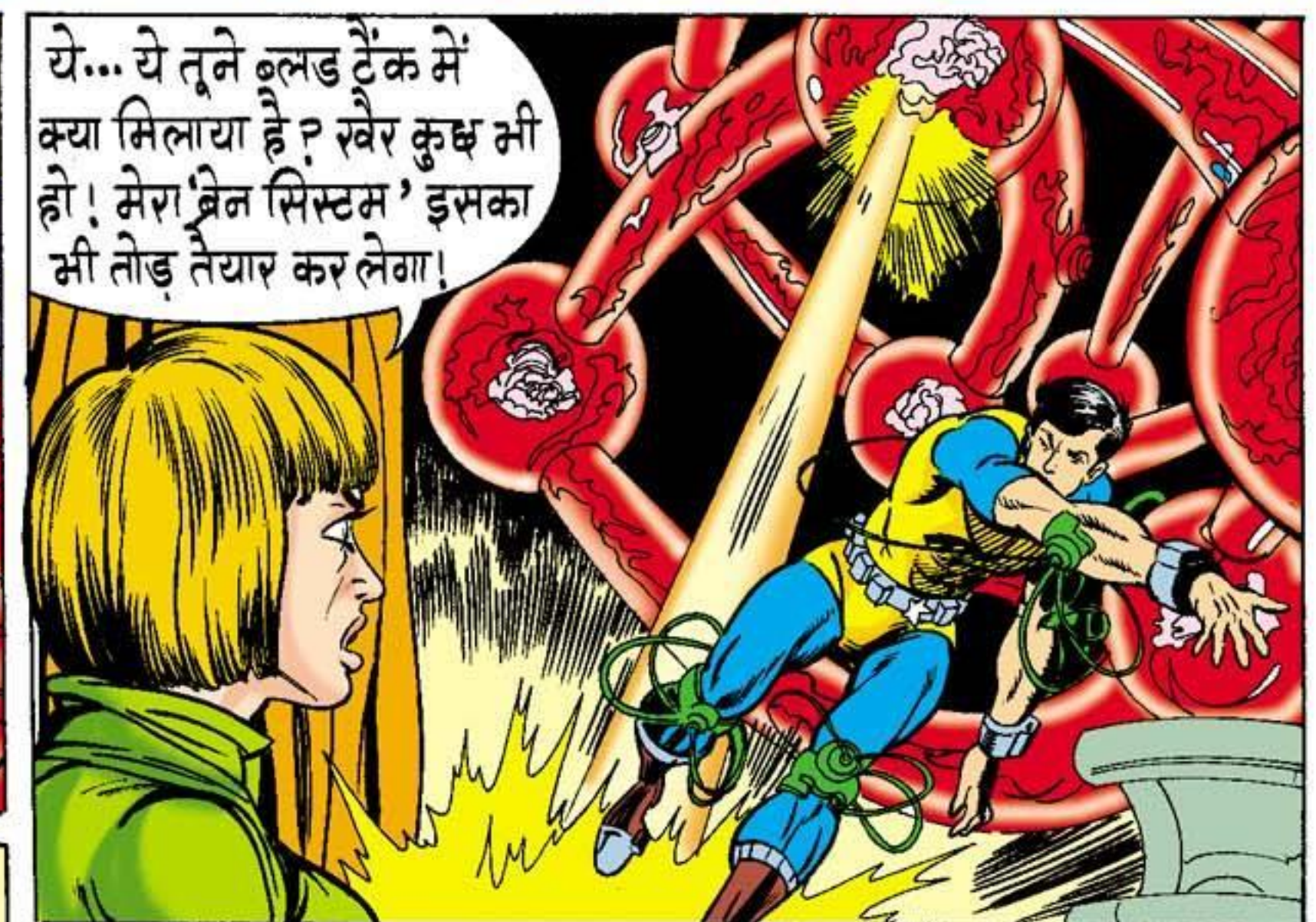
फूल नहीं रहे हैं, सूज रहे हैं नटालिया! और सूजने से इनके न्यूरॉन फट रहे हैं! तुम्हारा ब्रेन सिस्टम नष्ट हो रहा है, नटालिया!

लेकिन कैसे? कैसे? क्या कर डाला है तूने?

सिर्फ ब्लड टैंक के जरिए 'ब्रेन फीवर' यानी मैनिन्जाइटिस के वायरसों को तुम्हारे सिस्टम में प्रवेश करा दिया है!

जो दिमाग में सूजन पैदा करके उसे नष्ट कर देते हैं!

समाप्त.